कोटद्वार, शनिवार
2 नवम्बर 2024
वर्षः 46
अंकः 181 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

गैरसैंण को मिला दीपावली का तोहफा, अब रेगुलर आयेगी बस

चमोली। गैरसैंण से दिल्ली की बस सेवा अब रेगुलर हो गई है। इससे यहां से सीधे दिल्ली आने जाने वाली सवारियों को लाभ मिलेगा। बतादें के गैरसैंण से प्रतिदिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जाने वाली उत्तराखंड परिवहन निगम की रानीखेत डिपो की बस कई समय से अनियमित चल रही थी। रानीखेत डिपो प्रभारी मोहन सिंह रावत ने बताया कि रानीखेत डिपो को 15 को नई बस आवंटित हुई हैं। अब रानीखेत डिपो से दिल्ली रूट पर सभी नई बसों का संचालन होगा। जिसमें गैरसैंण–दिल्ली डेली बस सेवा भी शामिल है।

मुख्यमंत्री धामी ने किए बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग। भगवान केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने से पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना की साथ ही बाबा से सम्पूर्ण देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। केदारनाथ विस उप चुनाव के चलते उन्होंने पार्टी प्रत्याशी की जीत के लिए भी प्रार्थना की। बताते चलें कि 3 नवंबर भैया दूज के दिन विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इस लिहाज से दीपावली के दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए। बदरी–केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय के साथ ही बीकेटीसी द्वारा सीएम की अगुवाई की गई। इस दौरान सीएम ने तीर्थपुरोहितों से भी मुलाकात की। तीर्थपुरोहितों ने अपनी समस्याएं सीएम को बताई। सीएम ने तीर्थपुरोहितों की हर समस्या के समाधान का भरोसा दिया। करीब एक घंटा रहने के बाद सीएम वापस लौट गए।

नरेंद्रनगर में कार दुर्घटनाग्रस्त, दो घायल

नई टिहरी। नरेंद्रनगर–रानीपोखरी मोटरमार्ग पर डागर गांव के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरी। दुर्घटना में कार सवार दो युवक मामूली रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे देहरादून से नरेंद्रनगर आ रही एक कार डागर गांव के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गई। जिसमें कार सवार विवेक उनियाल और शेवतंग उनियाल दोनों निवासी नरेंद्रनगर घायल हो गए। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ के एसआई महावीर सिंह रावत ने बताया कि घायलों को खाई से निकालकर श्रीदेव सुमन चिकित्सालय नरेंद्रनगर भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

दून अस्पताल में लिखित आश्वासन पर अड़े सफाई कर्मचारी

देहरादून। दून अस्पताल में उपनल से लगे 110 सफाई कर्मचारी की नौकरी के संकट के मामले में कर्मचारी लिखित आश्वासन की मांग पर अड़े हैं। शुक्रवार को एमएस डॉक्टर अनुराग अग्रवाल और डिप्टी एमएस डॉक्टर धनंजय डोभाल ने कर्मचारियों से वार्ता की और हड़ताल से मरीज को परेशानी होने की बात कहकर वापस लेने की बात कही। कर्मचारियों ने कहा कि उनकी नौकरी पर संकट बना है इसी से उनका घर चलता है। वह प्राचार्य डॉक्टर गीता जैन से लिखित आश्वासन दिलवा दें वह हड़ताल का निर्णय वापस ले लेंगे। क्योंकि प्राचार्य उनके समय में टेंडर न होने की बात कह चुकी है। अफसरों ने उन्हें शनिवार को प्राचार्य से वार्ता करने का आश्वासन दिय। अस्पताल में एक निजी एजेंसी को सफाई के कार्य का ठेका देने के बाद से कर्मचारी आक्रोशित है। । सफाई कर्मचारी नेता विशाल बिरला, दून अस्पताल प्रधान अशोक ने कहा कि कर्मचारी का शोषण कतई बर्दाश्त नहीं होगा। जब तक लिखित आश्वासन नहीं मिल जाता तब तक वह हड़ताल का निर्णय वापस नहीं लेंगे। एमएस डॉक्टर अनुराग अग्रवाल का कहना है कि अभी कर्मचारियों को हटाने संबंधी कोई आदेश नहीं है। प्राचार्य , निदेशक और एजेंसी के स्तर पर वार्ता की जा रही है।

दीपावली: सात स्थानों पर धधकी आग

ऋषिकेश। दीपावली पर्व पर फायर बिग्रेड वाहन शाम से लेकर रात तक शहर व आसपास के इलाकों में दौड़ाते रहे। सात स्थानों पर फायर स्टेशन को आग लगने की सूचना मिली, जिसमें सभी आग की घटनाओं पर बामुश्किल काबू पाया गया। इस दौरान लोगों को सामान का नुकसान हुआ। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। शहर में आग की घटनाओं की शुरूआत चंद्रभागा से हुई। यहां एक बिल्डिंग की छत पर आग लग गई। धुआं उठते देख स्थानीय लोगों ने फौरन इसकी सूचना फायर बिग्रेड को दी। मौके पर पहुंचे फायर कर्मियों ने छत पर घास में लगी आग को बामुश्किल बुझाया।

जम्मू–कश्मीर के बडगाम में आतंकी हमला

यूपी के दो लोगों को मारी गोली

जम्मू। जम्मू–कश्मीर के बडगाम जिले में आतंकवादियों ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गोली मार दी। एक अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम को मध्य कश्मीर जिले के मागाम के मजहामा इलाके में गोली लगने से सूफियान और उस्मान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। घटना के बाद सूचना मिलने पर पहुंची सुरक्षाबलों की टीम ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया हुआ है।

डोडा जिले में आतंकियों के दो समूह सक्रिय : एसएसपी

चिनाब घाटी के डोडा जिले में वर्तमान समय में दो आतंकी समूह सक्रिय हैं। यह जानकारी जिले के एसएसपी मोहम्मद असलम ने दी। एसएसपी ने वीरवार को कहा, जिले में स्थानीय आतंकियों के किसी गतिविधि में शामिल होने के कोई सबूत नहीं है। यहां तक कि स्थानीय नागरिकों ने आतंकियों का समर्थन करने से इन्कार कर दिया है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षा बल सतर्क हैं और किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा, हालांकि हम यह नहीं कह सकते कि स्थानीय आतंकी पूरी तरह से अनुपलब्ध हैं।

पीएम मोदी ने विपक्षी पार्टी पर साधा निशाना

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी जनता के सामने 'बुरी तरह बेनकाब' हो गई है, क्योंकि वह लोगों से ऐसे वादे करती है, जिन्हें वह खुद जानती है कि पूरा नहीं कर पाएगी। मोदी की कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर पलटवार किया है। खरगे ने कहा था कि कांग्रेस शासित राज्य सरकारों को ऐसे वादे करने चाहिए, जो सही तरीके से बजट में शामिल हों और जिनके लिए पैसे की समस्या न आए। खरगे ने यह बयान तब दिया था, जब हाल ही में कुछ खबरों में बताया गया कि कांग्रेस शासित राज्यों को अपने चुनावी वादे पूरे करने में दिक्कतें आ रही है।

दिन–ब–दिन खराब हो रही कांग्रेस शासित राज्यों की स्थिति

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी जानती है कि झूठे वादे करना आसान है। लेकिन उन्हें सही तरीके से लागू करना बहुत कठिन या असंभव है। वे हर चुनाव में लोगों से वादे करते हैं, लेकिन भली–भांति जानते हैं कि उन्हें पूरा नहीं कर पाएंगे।

सैनिकों के परिवार का ध्यान रख रही सरकार: धामी

● लैंसडौन पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सैनिकों के साथ मनाई दीपावली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश की सीमा पर खड़े सैनिक के कारण ही हम देश के भीतर स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सता। कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ड्यूटी पर तैनात सैनिक के परिवार का पूरा ध्यान रख रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को लैंसडाउन छावनी में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए सैनिकों को दीपावली की बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने वार मेमोरियल पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सैनिक घर से दूर रहकर देश की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। ऐसे में उनके बीच आकर दीपावली का त्योहार मनाना सौभाग्य की बात है। कहा जाता है कि पर्व वहीं होता है, जहाँ परिवार होता है। सब मिलकर उत्सव मनाते हैं। पर्व के दिन अपने परिवार से दूर रहना अपने आप में कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा है। यदि पूरे देश के लोग दीपावली मना रहे हैं वह निश्चित तौर पर सुरक्षित हैं, तो हमारे जवानों की बदौलत हैं, जो 24 घंटे देश की सीमा पर तैनात हैं। इस महत्वपूर्ण पर्व पर अपने परिवार से दूर रहने के बावजूद आपके उत्साह में कोई कमी नहीं है। मुझे जवानों की बीच रहकर अपार खुशी हो रही है। आप सभी का उत्साह देखकर मेरे अंदर भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के बलिदानी सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली 10 लाख रुपए की धनराशि को बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार की दीपावली बहुत विशेष है, क्योंकि 500 वर्षों से हम प्रतीक्षा कर रहे थे कि भगवान राम अपने घर में आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले के समय में हम बड़ी संख्या में विदेश से हथियार खरीदते थे, लेकिन आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर बन रहा है और आज 200 से भी अधिक सैन्य उपकरण हमारे ही देश में बनकर तैयार हो रहे हैं। जिसका इस्तेमाल भारत की सेना द्वारा किया जाता है। ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने कहा कि राज्य की कई कल्याणकारी योजनाएं सैनिकों के हित को ध्यान में रखते हुए बनी है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने राज्य सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार द्वारा देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों के आश्रितो को दी जाने वाली धनराशि 10 लाख से बढ़कर 50 लाख रुपए कर दी गई है। इस अवसर पर विधायक लैंसडाउन महंत दिलीप रावत, उत्तराखण्ड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अंथवाल, ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, जिलाधिकारी डॉ० आशीष चौहान, एसएसपी लोकेश्वर सिंह, सेना के अधिकारी और जवान उपस्थिति थे।

दिवाली के दिन एक ही परिवार की तीन पीढ़ियां खत्म

आंध्र प्रदेश में कोहराम मचा देने वाली खूनी झड़प

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में दीवाली के दिन दिल दहला देने वाली घटना हुई। दो गुटों के बीच मामूली बातचीत से शुरू हुई लड़ाई देखते ही देखते खूनी झड़प में तब्दील हो गई।

गांव वालों के सामने ही एक परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ खत्म हो गईं। घटना काजुलुरु मंडल के सलापका गांव की है। यहां तीन शव खून से लथपथ मिले। आरोपियों ने सभी के सिर को कुचल दिया था। तीनों के हाथों में दरांती थी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि वारदात को पुरानी रंजिश और अपमानजनक टिप्पणी की वजह से अंजाम दिया गया है। मृतकों की पहचान बथुला रमेश, बथुला चिन्नी (पुत्र) और बथुला राजू (पोता) के तौर पर हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दीवाली मनाते वक्त यह घटना हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने कह का दोनों ही गुट नशे में थे। इस दौरान एक गुट ने अपने विपक्षी गुट पर टिप्पणी कर दी। इसके बाद ही विवाद बढ़ गया।

पूरे गांव में तनाव

घटना के बाद से ही पूरे सलापका गांव में तनाव है। एहतियात के तौर पर गांव में भारी पुलिसबल की तैनाती की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। सभी शवों को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस का दावा है कि सभी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। तेलंगाना टुडे के मुताबिक पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए कई विशेष टीमों का गठन किया है। उधर, गुंटूर और प्रकाशम जिलों में भी गुटों में संघर्ष हुआ है। गुंटूर में दो गुट आपस में भिड़ गए। इस घटना में दो लोग घायल हैं। घटना एक फास्ट फूड सेंटर की है। प्रकाशम जिले में छात्रों के दो गुटों में भिड़त हो गई। इसमें एक छात्र घायल है।

दीवाली की रात पीलीभीत में हादसा

उधर, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में भी दीवाली की खुशियां मातम में बदल गईं। यहां सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। मौत की खबर पहुंचते ही तीन परिवारों में कोहराम मच गया। न्यूरिया थाना क्षेत्र की घटना है। तीनों युवक दुहा गांव में बने एक आश्रम में दीया जलाने जा रहे थे। तभी गांव भिलैया के पास बाइक अनियंत्रित होकर सीधे पेड़ से जा भिड़ी। तीनों की मौत से पूरे गांव में मातम पसर गया।

वाहन दुर्घटना में मां–बेटे की मौत

हल्द्वानी। लामाचौड़ में अमलताश मोड़ पर तेज रफ्तार दो कारों की टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार पूर्व सैनिक और उनकी मां की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे एसटीएच में उपचार के बाद निजी अस्पताल शिफ्ट कर दिया है। वहीं दूसरी कार में सवार दो लोगों को हल्की चोटें आई हैं। हादसे का कारण लापरवाही से ड्राइविंग बताई जा रही है। पलवलगढ़ बैलपड़ाव निवासी कमलेश महरा (40 वर्ष) पुत्र मोहन सिंह महरा सेना से रिटायर्ड थे। वह पलवलगढ़ में ही अपनी पत्नी दीपा महरा (35 वर्ष), 14 व 12 वर्ष के बच्चे तथा मां भुवनी देवी (60) वर्ष के साथ रहते थे। कमलेश के पड़ोसी विक्की टम्टा ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 9 बजे के आसपास कमलेश, अपनी पत्नी दीपा व मां भुवनी देवी के साथ हल्द्वानी स्थित अपने ससुराल कमलुवागांजा की तरफ आ रहे थे। बताया जा रहा है कि यहां से वह किसी मंदिर में दर्शन के लिए भी जाने वाले थे, लेकिन कालाढूंगी की ओर से आते वक्त लामाचौड़ स्थित भाकड़ा अमलताश मोड़ पर कमलेश की कार सामने से आ रही दूसरी कार से टकरा गई। हादसे में कमलेश की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

एलएसी पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू, चीनी सैनिकों से पूछा सवाल

लद्दाख। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच पिछले चार साल से जारी गतिरोध खत्म हो चुका है। तनाव कम होने के बाद भारतीय सेना ने शुक्रवार से पूर्वी लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में गश्त करना शुरू कर दिया है। हाल ही में भारत और चीन के बीच 2020 से पूर्व वाली स्थिति पर लौटने पर सहमति बनी। इसके बाद चीन ने अपने सैनिकों को पीछे किया। कई चरणों की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच यह गतिरोध खत्म हुआ। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ब्रिक्स सम्मलेन से ठीक एक दिन पहले खुलासा किया था कि दोनों देश के बीच सीमा पर जारी गतिरोध पर सहमति बन गई है। इसके बाद ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच साल बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी।

दीवाली पर बांटी मिठाई

डेमचोक सेक्टर में गश्त शुरू होने के बाद सेना जल्द ही देपसांग सेक्टर में भी गश्त शुरू करेगी। यह गश्त समन्वित तरीके से होगी। मतलब दोनों ही देशों के सैनिकों को गश्त की जानकारी होगी। गुरुवार को दिवाली के अवसर पर भारत और चीन के सैनिकों ने सीमा पर एक–दूसरे को मिठाइयां बांटी। जानकारी के मुताबिक भारत और चीन की सेना ने लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स, काराकोरम दर्रा, दौलत बेग ओल्डी, कोंगक्ला और चुशुल–मोल्दो सीमा पर मिठाइयों का आदान–प्रदान किया।

लद्दाख सांसद ने समझौते का किया स्वागत

लद्दाख के सांसद हाजी हनीफा ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (छअउ) पर दोनों देशों के बीच तनाव कम होने का स्वागत किया। लद्दाख सांसद ने कहा कि सीमा पर रहने वाले जानते हैं कि युद्ध कैसा होता है। हम सीमा पर शांति चाहते हैं। दोनों देशों के मध्य हुए समझौते का हम स्वागत करते हैं। मगर हम इसे जमीन पर लागू होते देखना चाहता हूं। कूटनीतिक तरीकों से सीमा पर तनाव कम किया जाना चाहिए।

मतभेद होना स्वाभाविक

भारत में चीनी राजदूत जू फेइहोंग ने कहा कि पड़ोसी देशों के रूप में भारत और चीन के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। मगर अहम बात यह है कि इन मतभेदों को कैसे संभाला जाए और कैसे हल किया जाए। भारत और चीन ने हाल ही में भारत–चीन सीमा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति जताई है। भारत और चीन के बीच सीमा गतिरोध 2020 में पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में शुरू हुआ था। इसके बाद से ही भारत और चीन के रिश्ते बेहद खराब दौर से गुजर रहे थे।

धुंध की चादर में लिपटी दिल्ली, दीवाली के मौके पर प्रदूषण का लेवल कई गुना बढ़ा

नई दिल्ली। देश के तमाम बड़े शहरों में प्रदूषण की कोई कमी नहीं है। लेकिन दीवाली के मौके पर प्रदूषण का लेवल कई गुना ज्यादा बढ़ गया। दिल्ली में सुबह होते ही हर जगह सिर्फ प्रदूषण की धुंध दिखाई दे रही है।

अगर कोई इंसान सांस का मरीज तो वह घर से बाहर ही न निकले क्योंकि उसको सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। दिल्ली–एनसीआर की हवा 'गंभीर' स्तर तक पहुंच गई है। कई जगह तो एक्यूआई 350 पार कर गया है।

दिल्ली की हवा हुई जहरीली

राजधानी दिल्ली में इस बार भी दीवाली पर आतिशबाजी पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था, इसके बावजूद दिल्ली और एनसीआर में जमकर आतिशबाजी हुई। गुरुवार शाम ढ़लते ही लोग पटाखे छोड़ने शुरू कर दिए। नई दिल्ली इलाके में भी लोग जमकर आतिशबाजियां की। इस कारण दिल्ली–एनसीआर की हवा 'गंभीर' स्तर तक पहुंच गई। आनंद विहार और सरिता विहार में एक्यूआई लेवल 300 पार कर गया है। लोगों की आंखों में जलन महसूस हो रही है।

चेन्नई में वायु प्रदूषण रिकॉर्ड स्तर पर

दिवाली पर पटाखे फोड़े जाने के कारण चेन्नई और आसपास के जिलों में वायु प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। हवा की गुणवत्ता में इस गिरावट से सांस की समस्या वाले लोगों के लिए परेशानी पैदा हो गई है। तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सूत्रों के अनुसार, चेन्नई के तीन क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब हो गया है, मनाली में स्तर 254, अरुंबक्कम में 210 और पेरुंगुडी में 201 तक पहुंच गया है।

तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड 201–300 के बीच एक अदक को "खराब" के रूप में वर्गीकृत करता है, जो श्वसन संबंधी असुविधा पैदा कर सकता है; 301–400 के बीच के स्तर को "बहुत खराब" के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जबकि 401–500 के बीच के स्तर को गंभीर माना जाता है। डॉक्टरों ने लोगों से प्रदूषण को कम करने के लिए त्योहार के दौरान पटाखों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह किया है।

राजस्थान में खूब हुई आतिशबाजी

दीपावली के दिन राजस्थान के शहरों में जमकर आतिशबाजी हुई। जयपुर की हवा इस समय सबसे ज्यादा जहरीली है क्योंकि यहां का एक्यूआई 350 को पार कर गया है। जयपुर के अलावा राजस्थान के और भी कई जिलों में हवा गंभीर श्रेणी में है.

दून–दिल्ली रूट पर बढ़ेंगी बस और फेरे

ऋषिकेश। ऋषिकेश रोडवेज बस अड्डे पर रविवार और सोमवार को यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है, जिसके चलते डिपो के अधिकारियों ने हर यात्री को बस उपलब्ध कराने के लिए विशेष तैयारियां की हैं, जिसमें न सिर्फ बसों के फेरे बढ़ाने का प्लान तैयार किया गया है, बल्कि दिल्ली रूट पर अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला भी लिया गया है। त्योहारी सीजन में रविवार तक छुट्टियां हैं, जिसके चलते के आसपास के राज्यों में नौकरी–पेशा स्थानीय लोग घरों को पहुंचे हुए हैं। रविवार को यह छुट्टियां खत्म हो रही हैं। यात्रियों की भीड़ उमड़ने की संभावना के मद्देनजर रोडवेज डिपो ने आवश्यक तैयारियां पहले ही कर ली हैं। अभी देहरादून रूट पर ऋषिकेश से स्थानीय डिपो की करीब 15 बसें 55 फेरे लगा रही हैं। भीड़ बढ़ने पर 10 अतिरिक्त फेरे लगाने के लिए व्यवस्था की गई है। जबकि, दिल्ली रूट पर फिलहाल निगम की 41 बसें दौड़ रही हैं। रविवार और सोमवार को यात्रियों के दबाव के अनुसार बसों की संख्या को 46 किया जा सकता है। सीएनजी बसों के फेरों को भी रूट को बढ़ाया जाना तय हुआ है। पहाड़ी रूट पर पांच बसों को शेड्यूल डिपो का रोजाना है। इस रूट पर भी यात्रियों के बढ़ते ही एक अतिरिक्त बस चलाने की तैयारी की गई है। स्टेशन अधीक्षक अनुराग पुरोहित के मुताबिक ऋषिकेश से सर्वाधिक यात्री दिल्ली और देहरादून रूट पर रहते हैं।

शिक्षा विभाग ने शुरू की शिक्षकों के प्रमाणों की जांच शुरू

– नैनीताल जिले में प्राइमरी स्कूलों में तैनात 110 शिक्षकों का मामला

हल्द्वानी। जिले के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में तैनात करीब 110 शिक्षक– शिक्षिकाओं के प्रमाण पत्रों की जांच शुरू हो गई है। हाल में इन शिक्षकों को स्कूलों में तैनाती दी गई है। दरअसल, जिले के प्राथमिक स्कूलों में 10 अगस्त से शिक्षकों की तैनाती को काउंसिलिंग की गई। तीन चरणों में काउंसिलिंग कर ली गई है। 190 पदों के सापेक्ष 110 शिक्षकों को विभाग ने तैनाती पत्र दिया है। शिक्षकों के शैक्षिक प्रमाणपत्रों की जांच को बीते सोमवार को जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक एचबी चंद ने आदेश जारी कर दिए है। उन्होंने बताया कि जिनको तैनाती पत्र दिया है, उन्होंने अपनी शैक्षिक योग्यता किस बोर्ड से किस सन में की है, की जांच की जा रही है। सभी विवि और बोर्ड को इस बारे में पत्र भेजे जा रहे हैं। बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी के प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी।

400 शिक्षकों की भी जांच

लंबे समय से जिले के प्राइमरी और उच्च प्राथमिक स्कूलों में तैनात करीब 400 शिक्षक और शिक्षिकाओं के प्रमाण पत्रों की भी जांच की जा रही है। जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक एचबी चंद ने बताया कि बीते डेढ़ साल से करीब 1800 शिक्षकों के शैक्षिक प्रमाण पत्रों की जांच की जा रही है। बीते दिनों 4 शिक्षकों के प्रमाणपत्र फर्जी मिलने पर सेवाएं समाप्त की जा चुकी हैं। 1400 शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की जांच पूरी हो चुकी है। 400 शिक्षकों के शैक्षिक प्रमाण पत्रों की जांच की जा रही है।

पहले सप्ताह में मिलेगी तैनाती

जिले के प्राथमिक स्कूलों में 17 शिक्षक शिक्षिकाओं को नवंबर पहले सप्ताह में तैनाती दी जाएगी। अफसरों ने बताया कि बीते दिनों स्कूलों में तैनाती के लिए तीसरी काउंसिलिंग के बाद 17 शिक्षकों को नवंबर के पहले सप्ताह में तैनाती दी जाएगी।

अलग–अलग हादसों में दो युवकों की मौत, एक घायल

विकासनगर। सहसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत अलग–अलग हादसों में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। तहरीर मिलने पर पुलिस ने तीनों मामलों में बस, ट्रक और बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। पहला हादसा बैरागीवाला पीठ के पास हुआ। पिंकी पत्नी स्व. सोनू निवासी जस्सोवाला अपने पुत्र अंकुश के साथ बैरागीवाला पीठ बाजार में सब्जी खरीदने गई थी। घर वापसी के लिए वह सड़क पर खड़े थे। इसी दौरान हरबर्टपुर की ओर से तेजी से आ रही बस ने अंकुश को टक्कर मार दी। जिससे अंकुश बुरी तरह से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की मां पिंकी की तहरीर पर पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं दूसरा हादसा लांघा रोड पर हुआ। जावेद पुत्र लियाकत, निवासी ढकरानी बाइक से दून अस्पताल जा रहा था। जैसे ही वह लांघा रोड पर पहुंचा पीछे तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। जिससे जावेद को गंभीर चोटें आई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं तीसरा हादसा सहसपुर पुल पर हुआ। अजीत चौहान पुत्र चतर सिंह चौहान, निवासी ग्राम भोडा कालसी अपनी बुलेट से शाम चार बजे हरबर्टपुर से देहरादून जा रहा था।

टौंस नदी में बही किशोरी, नहीं लगा सुराग

विकासनगर। दोस्तों के साथ मंदिर जा रही एक 14 वर्षीय लड़की पैर फिसलने के कारण टौंस नदी में बह गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने देर शाम तक सर्च अभियान चलाया, लेकिन लड़की का कोई पता नहीं चल पाया है। शनिवार को फिर से सर्च अभियान चलाया जाएगा। थानाध्यक्ष कालसी भुवनचंद्र पुजारी ने बताया कि दोपहर बाद करीब तीन बजे नेहा शाही पुत्री हेमराज शाही, निवासी राजावाला बाढ़वाला अपने छह दोस्तों के साथ सहस्त्रधारा मंदिर हिमाचल प्रदेश जा रही थी। सभी बाढ़वाला से मैजिक से कालसी जमुना पुल तक गए। इसके बाद पैदल टौंस नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान नेहा पैर फिसलने के कारण नदी में बह गई।

चुनावी वादों को लेकर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम मोदी पर पलटवार

दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। विपक्षी पार्टी के प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर कहा कि झूठ, धोखा, दिखावा, लूट और प्रचार ये आपकी सरकार का सबसे अच्छा वर्णन करते हैं। आपका सौ दिन की योजना का ढोल पीटना एक सस्ता प्रचार था। खरगे ने कहा, 16 मई 2024 को आपने दावा किया था कि आपने 2047 के रोडमैप के लिए 20 लाख से अधिक लोगों से सुझाव लिए हैं। लेकिन पीएमओ ने आरटीआई में जानकारी देने से इनकार किया। जिससे आपके झूठ का पर्दाफाश हुआ। खरगे ने कहा कि बीजेपी में 'बी' का मतलब बेट्रेयल (विश्वासघात या धोखा) और 'जे' का मतलब जुमला है। कांग्रेस प्रमुख ने भाजपा पर निशाना साधते हुए ये सात सवाल भी पूछे–

1. दो करोड़ नौकरी का वादाः भारत की बेरोजगारी दर 45 साल के उच्चतम स्तर पर क्यों है? क्यों हर जगह नौरी के लिए इतनी भीड़ होती है? सात साल में 70 पेपर लीक के लिए कौन जिम्मेदार है? किसने पीएसयू में हिस्सेदारी बेचकर पांच लाख सरकारी नौकरियां छीनीं?

2. बहुत हुई महंगाई की मारः घर की बचत पचास साल के न्यूनतम स्तर पर क्यों पहुंच गई है? पिछले साल में थाली की कीमत 52 फीसदी क्यों बढ़ी? टमाटर की 24 फीसदी, आलू की 180 फीसदी और प्याज की 60 फीसदी कीमत क्यों बढ़ी? किसने दूध, दही, आटा और दाल जैसी आवश्यक खाद्य सामग्रियों पर जीएसी लगाया? कौन मध्यम वर्ग को एलटीसीजी के जरिए कर आतंकवाद (टैक्स टेररिज्म) का शिकार बना रहा है?

3. अच्छे दिन का क्या हुआः रुपया अब तक के न्यूनतम स्तर पर है। क्या यह आईसीयू में है या मार्गदर्शक मंडल में? आपकी सरकार ने पिछले दस वर्षों में 150 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर्ज लिया है, जो हर भारतीय पर 1.5 लाख रुपये का कर्ज बनता है। एमएसएमई को नोटबंदी और जीएसटी के जरिए नष्ट किया गया है। आर्थिक असमानता 100 साल के उच्चतम स्तर पर है। इस बीते हुए एक दशक में औसत विकास छह फीसदी से कम है। जबकि यूपीए के दौरान यह आठ फीसदी था। निजी निवेश 20 साल के न्यूनतम स्तर पर है, जबकि पिछले एक दशक में विनिर्माण का औसत विकास केवल 3.1 फीसदी है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के दौरान यह 7.85 फीसदी था, जिससे मेक इन इंडिया के बड़े दावों की पोल खुल गई है।

4. विकसित भारत का क्या हुआः आपका जो भी निर्माण करने का दावा है, वह एक के बाद एक ढह रहा है–महाराष्ट्र में आपने शिवाजी की प्रतिमा, दिल्ली हवाई अड्डे की छत, अयोध्या में राम मंदिर में रिसाव और अटल सेतु में दरारें। गुजरात में पुल गिर जाता है, जबकि बिहार में नए पुलों का गिरना आम बात है।

सम्पादकीय

डंडों कंधों पर स्वास्थ्य सेवाएं

उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हमेशा से ही विवाद खड़े होते आए हैं। हालांकि सरकार चक चौबंद स्वास्थ्य सेवाओं का दावा करती है लेकिन अक्सर सरकार के यह दावे कसौटियों पर धूल फांकते हुए नजर आए हैं। सिर्फ सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में ही नहीं बल्कि मैदानों में भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति उतनी अच्छी नहीं है जितना सरकारी प्रचार में नजर आता है। उत्तराखंड के सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में तो लोग जब तक स्वस्थ हैं तब तक राहत में है अन्यथा एक बार बीमार हुए नहीं कि उनकी मुसीबत का क्रम भी शुरू हो गया। कुमाऊं के तल्लादेश के बकोड़ा ग्राम पंचायत में दीपावली के दिन एक मरीज का स्वास्थ्य बिगड़ने पर पूरे गांव में हड़कंप मच गया और मरीज को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने के लिए डंडों का सहारा लेना पड़ा। ग्रामीणों ने मरीज को डंडे में बांधकर अस्पताल पहुंचाया वह भी उन जवानों की मदद से जो छुट्टियों में दिवाली मनाने अपने घर आए थे। 4 घंटे तक ग्रामीण सरकारी दावों की हकीकत के तले पिसते रहे, और अपने दम पर उन्होंने मरीज को अस्पताल तक पहुंचाया। एक तरफ सरकार हाईटेक स्वास्थ्य सुविधाओं का दावा करती है, मरीजों के लिए हेली एम्बुलेंस का प्रचार करते सरकारी तंत्र नहीं थकते, लेकिन हकीकत आज भी वही है जो शायद कभी उत्तराखंड में तब हुआ करती थी जब बिजली, पानी और सड़के जैसी सुविधाएं तक नहीं थी। हालत तो शायद आज भी नहीं सुधरे हैं जिसकी बानगी यह घटना है। इससे पहले भी कभी प्रसुताओं को सड़कों पर जन्म देना पड़ा है तो कहीं आपातकालीन परिस्थितियों में मरीज को अस्पतालों में बेड ही नसीब नहीं होते। सरकार ने हालांकि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं सुधारने के प्रयास किए हैं लेकिन इस प्रकार की घटनाएं वास्तविकता की पोल खोलती हैं, जिसको सरकार नकार नहीं सकती। कहीं ना कहीं यह एक बड़ी कमी उन जनप्रतिनिधियों की भी है जो अपने क्षेत्र के प्रति उदासीन है और क्षेत्र के लोगों को महज मतदाता से अधिक कुछ नहीं समझा जाता। सरकार को सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बुनियादी तौर पर पुख्ता करना होगा ताकि इस प्रकार की परिस्थितियों उत्पन्न ना हो।

आत्म–निरीक्षण, पश्चाताप और आत्मसुधार

शंकर शरण

सोल्झेनित्सिन ने लिखा है कि आदमी पर घमंड उसी तरह सहज चढ़ता है जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती है। यानी अनायास। ज् सोल्झेनित्सिन ने अपने दीर्घ, कठिन जीवन, और हजारों अन्य लोगों के जीवन के अवलोकन से पक्की तौर पर समझा था कि अच्छे और बुरे का भेद करने वाली रेखा हर मनुष्य की आत्मा से होकर गुजरती है। उसे राष्ट्रों, समाजों, दलों, मतवादों में कदापि निर्धारित नहीं किया जा सकता।

गुलाग आर्किपेलाग की विरासत झ 4

रूसी नागिरकों का सत्य बतलाते हुए सोल्झेनित्सिन ने अपने को देवता नहीं दिखाया है। उन्होंने नोट किया है कि अपनी गिरफ्तारी से पहले, जब कैप्टन सोल्झेनित्सिन द्वितीय विश्व युद्ध में लडक़र वापस आए, और आते ही उन को बंदी बना लिया गया (उन्होंने किसी मित्र को निजी पत्र में यह टिप्पणी की थी कि 'हमारे देश में हर बात में पार्टी की महानता' जोडऩे की क्या झक है! यही लिखना उन का अपराध था जिस के लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया और बारह साल कैद तथा यातना शिविरों में बिताना पड़ा। बल्कि स्टालिन की मृत्यु हो जाने से काफी लोगों को छोड़ा गया था, उसी में सोल्झेनित्सिन भी छूट गये। यानी, संयोगवश ही।) लेकिन सोल्झेनित्सिन लिखते हैं कि गिरफ्तार होने से पहले वे भी अपने को ऊँचा समझते थे, और सेना में अपने मातहतों के प्रति उन्होंने भी जब–तब अनुचित व्यवहार किया था।

और कौन जाने यदि वे अपने सैनिक अफसर वाले कैरियर में ही सहज आगे बढ़ते जाते, तो अपने अहंकार में पता नहीं क्या करते होते! उन्होंने लिखा है कि आदमी पर घमंड उसी तरह सहज चढ़ता है जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती है। यानी

> रूसी नागिरकों का सत्य बतलाते हुए सोल्झेनित्सिन ने अपने को देवता नहीं दिखाया है। उन्होंने नोट किया है कि अपनी गिरफ्तारी से पहले, जब कैप्टन सोल्झेनित्सिन द्वितीय विश्व युद्ध में लडक़र वापस आए, और आते ही उन को बंदी बना लिया गया (उन्होंने किसी मित्र को निजी पत्र में यह टिप्पणी की थी कि 'हमारे देश में हर बात में पार्टी की महानता' जोडऩे की क्या झक है! यही लिखना उन का अपराध था जिस के लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया और बारह साल कैद तथा यातना शिविरों में बिताना पड़ा। बल्कि स्टालिन की मृत्यु हो जाने से काफी लोगों को छोड़ा गया था, उसी में सोल्झेनित्सिन भी छूट गये। यानी, संयोगवश ही।) लेकिन सोल्झेनित्सिन लिखते हैं कि गिरफ्तार होने से पहले वे भी अपने को ऊँचा समझते थे, और सेना में अपने मातहतों के प्रति उन्होंने भी जब–तब अनुचित व्यवहार किया था।

अनायास। सो, सोवियत व्यवस्था की परिस्थितियों में, जहाँ विमानवीयकरण एक मूल तत्व था, कौन आगे चल कर क्या करता या न करता यह कहना असंभव है। अपनी गिरफ्तारी के बाद सोल्झेनित्सिन में जल्द ही निरंतर आत्म–निरीक्षण, पश्चाताप और आत्मसुधार की प्रवृत्ति बनती गई, जिस की झलक भी उन के लिखे विविध विवरणों में जहाँ–तहाँ मिलती है।

एक ऐसी निर्णायक घटना सोल्झेनित्सिन ने 'गुलागज' में दर्ज की है। उन के साथ एक यहूदी कैदी था, बोरिस गम्मेरोव। एक बार यह खबर आई थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने कहीं पर प्रार्थना की। इस पर उपेक्षा से सोल्झेनित्सिन ने टिप्पणी की, अरे, यह तो बस पाखंड है। यह सुनकर भावना से काँपते हुए दुर्बल गम्मेरोव ने कहा, क्या कोई राजनेता सचमुच ईश्वर में विश्वास करने वाला नहीं हो सकता? तब सोल्झेनित्सिन को एक धक्का लगा, और उन्होंने महसूस किया कि उन्होंने विचार करके नहीं, बल्कि लापरवाही से ऐसी बात कही तो सोवियत शिक्षण और जीवन में अचेत रूप से स्वीकार कर ली थी। तब से उन्होंने विशेष ध्यान देना शुरू किया कि कौन सा निष्कर्ष विवेकपूर्ण है, और कौन सा बना–बनाया है।

इस विषय पर उन के इस ग्रंथ में एक अध्याय ही है। दूसरे खंड के चौथे भाग 'आत्मा और कँटीले तार' का पहला अध्याय उत्थान। जिस में वे दुर्भाग्य और कैद में अपने को अधिकाधिक गंभीर और सूक्ष्म चिंतन, मनन के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस पर ध्यान दिया कि ऐसे भयावह यंत्रणा शिविरों में भी कम ही कैदी आत्महत्या करते हैं। आखिर कुछ तो है जो उन के अंदर जीवित है, प्रेरित करता है। क्या मनुष्य में कोई ऐसी चीज भी है जो केवल जिन्दा रहने या खुशी खोजने से अलग है?

सोल्झेनित्सिन ने लिखा है, कठिन जीवन मनुष्य की दृष्टि साफ करता है, उसे विवेक देता है। पर वह विवेक है क्या? क्या किसी भी कीमत पर जीना ही सर्वोपरि चीज है, दूसरों की कीमत पर भी? इसी प्रश्न के मोड़ पर दो अलग–अलग रास्ते बनते हैं। एक रास्ता ऊपर जाएगा, दूसरा नीचे। एक में तुम अपना जीवन खोओगे, दूसरे में अपनी अंतरात्मा। इसी मोड़ पर लोगों की आत्मा विभाजित होती है। अधिकांश वह रास्ता लेते हैं जिस में जीवन बचता है। पर यातना शिविरों में भी सोल्झेनित्सिन को अनेक ऐसे कैदी मिले जिन्होंने अंतरात्मा की कीमत पर कोई सुविधा लेने से इन्कार किया। उन्होंने ऐसे कुछ पात्रों की सत्य कथा भी पूरे–पूरे विस्तार से दर्ज की है। जैसे अन्ना स्त्रिग्ननिकोवा।

जबकि सोवियत शिक्षा और नैतिकता ने लोगों को यह आम पाठ पढ़ाया था कि कम्युनिस्ट पार्टी का हित और आदेश ही नागरिकों के लिए सब से पहला नैतिक मानदंड है। जिस की अनिवार्य निष्पत्ति यह भी हो जाती थी, कि तब वैयक्तिक स्तर पर जिस में अपना हित है वही कार्य सही है। अर्थात कोई स्वतंत्र, हम सब से, पार्टी और देश से भी ऊपर, कोई नैतिक मूल्य नहीं है। ऐसे लोग कुछ भी अनुचित करने को तैयार हो सकते हैं जिन्होंने यह दयनीय मतवाद स्वीकार कर लिया है कि लोगों का जीवन बस सुख के लिए बना है।

जब 'गुलाग ज' के प्रकाशन के बाद सोल्झेनित्सिन को सोवियत संघ से निष्कासित किया गया, तब उन के बयानों में सुखवाद को क्षुद्र बता कर कठोर आलोचना से पश्चिमी बुद्धिजीवी क्षुब्ध हो जाते थे। उन्हें आशा थी कि सोल्झेनित्सिन यूरोप और अमेरिका में लोगों के उन्मुक्त जीवन की तारीफ करेंगे। पर सोल्झेनित्सिन ने मानवता को एक मानकर दूसरे लोगों, देशों की स्थिति से बेपरवाह केवल अपने सुख और उन्नति की चिन्ता, और केवल राष्ट्रीय हित और राष्ट्रवाद को अनैतिक बताया। यह भी, कि ऐसा देश पूरी तरह आश्वस्त भी नहीं रह सकता जब तक दूसरे देशों में जुल्म, अत्याचार, और अमानवीयता हो। उन की दृष्टि में न्याय और विवेक को राष्ट्रीय सीमाओं में विभाजित नहीं किया जा सकता। वह अखंड है। इन बातों पर पश्चिम बुद्धिजीवियों ने सोल्झेनित्सिन को सनकी धार्मिक कहा था।

पर सोल्झेनित्सिन ने अपने दीर्घ, कठिन जीवन, और हजारों अन्य लोगों के जीवन के अवलोकन से पक्की तौर पर समझा था कि अच्छे और बुरे का भेद करने वाली रेखा हर मनुष्य की आत्मा से होकर गुजरती है। उसे राष्ट्रों, समाजों, दलों, मतवादों में कदापि निर्धारित नहीं किया जा सकता। अतः किसी कार्य का परिणाम नहीं, बल्कि उसे कोई कैसे, किस भावना और मूल्य के लिए करता है इस से उस कार्य का वास्तविक अर्थ तय होता है। तब आप अपनी दुर्बलता देख पाते हैं, और दूसरों की कमजोरियाँ भी। यानी, तब आप का चारित्रिक उत्थान होता है। आप की आत्मा जो पहले रूखी थी, अब कष्ट झेल कर परिपक्व होती है। आप अपने जीवन की परीक्षा करते हैं और पाते हैं कि आप ने कितने बुरे और लज्जाजनक काम किये थे।

सोल्झेनित्सिन याद करते हैं कि कई बार बुरे काम करते हुए वे आश्वस्त थे कि वे सही कर रहे हैं। अनेक बार जब वे अपने को बिलकुल निष्कलंक समझ? रहे थे, तो वस्तुतः भूल पर थे। जब उन्होंने समझा था कि कोई ईश्वर नहीं है, तब ईश्वर उन के साथ था! जैसा सोल्झेनित्सिन ने कहीं लिखा है, हे जगदीश्वर! मैं पुनः तुम पर विश्वास करता हूँ। मैंने तुम्हें खारिज किया, पर तुम मेरे साथ रहे।

सोल्झेनित्सिन ने अंततः पाया कि, जीवन का अर्थ भौतिक उन्नति में नहीं है, जो मानने के हम आदी हो गये हैं, बल्कि अपनी आत्मा के उत्थान में है। यह सत्य उन्होंने बिना भयंकर कष्ट उठाए नहीं पाया होता, इस के लिए उन्होंने जेल को अपने जीवन में आने के लिए धन्यवाद दिया।

इसलिए यह कुछ विचित्र बात है कि सोवियत कम्युनिज्म के दौर में हजारों, लाखों लोगों के उत्पीडऩ, अंतहीन यंत्रणाओं, जुल्म, और? वेदना के विवरणों से भरा यह ग्रंथ पढक़र मायूसी और निराशा नहीं होती। उलटे किसी सहृदय पाठक के मन में अंततः एक आशाजनक भाव ही उठता है। क्योंकि आद्योपांत पढऩे पर 'गुलाग आर्किपेलाग' का संदेश यही है कि घरघोर बुराइयों के बीच भी कोई मनुष्य अच्छाई को पहचान और चुन सकता है। यह इस महान ग्रंथ की एक मूल्यवान विरासत है।

झूठ फैलाने का आरोप

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के पूर्व तथा वर्तमान कुलपतियों समेत तकरीबन दो सौ शिक्षाविद् ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चिी लिखी है जिसमें उनके एक बयान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस खुली चिी में विश्वविद्यालय के प्रमुख पद की नियुक्ति प्रक्रिया पर कांग्रेस नेता पर झूठ फैलाने का आरोप है। राहुल के दावों को खारिज करते हुए उन्होंने दावा किया कि कुलपतियों के चयन की प्रक्रिया पारदर्शी है जिसमें योग्यता, विद्वत विशिष्टता और निष्ठा के मूल्य समाहित हैं। यह विवाद राहुल के आरोप के बाद पैदा हुआ। उनके अनुसार शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्ति में हिन्दूवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्धता प्रमुख आधार है। यह विवाद ऐसे वक्त पैदा हुआ है, जब लोक सभा के चुनाव चल रहे हैं। कहना गलत नहीं है कि कुलपतियों की नियुक्ति सत्ताधारी दलों के हितों पर ही केंद्रित रही है। कुलपति ही नहीं, शिक्षकों के चयन में भी वैचारिक झुकाव को प्राथमिकता दी जाती है। फिर भी शैक्षणिक संस्थानों के उच्च पदों पर बैठे लोगों से उम्मीद की जाती है कि निजी राय को सार्वजनिक करने से बचें। मोदी सरकार के सत्ता में आने से पूर्व आरोप लगते थे कि वामपंथी विचारधारा वालों को तरजीह दी जाती है। चुनाव के दरम्यान राजनीतिक दल और राजनेता एक–दूसरे पर कटाक्ष करने से नहीं चूकते। यह लोकतंत्र है, यहां सारा इख्तियार जनता जनार्दन के हाथ में होता है। बावजूद इसके समझदारी यही है कि सार्वजनिक रूप से कमर के नीचे वार करने से बचा जाए। जब तक हाथ में किसी तरह के साक्ष्य न हों, आरोप–प्रत्यारोप से बचने का प्रयास होना चाहिए। बीते हफ्ते ही एक नामी निजी विश्वविद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन मखौल बन गया। हमारे शिक्षण संस्थान अपना स्तर उठाने की बजाय बेतुके कारणों से चर्चा का केंद्र बन रहे हैं। यदि संस्थानों के शीर्ष पदाधिकारी अपने सम्मान की रक्षा के लिए उचित कदम नहीं उठाएंगे तो छात्रों के समक्ष बेहतरीन उदाहरण पेश करने में असफल कहलाएंगे परंतु अपवादस्वरूप इन आरोपों में तनिक भी सच्चाई है और इन उच्च और सम्मानित पदों के बंटवारे में पक्षपात हुआ है, तो यह नौजवानों को गलत संदेश देने वाला साबित हो सकता है।

कांग्रेस घिसेपिटेपन से मुक्ति की अंगड़ाई नहीं लेती, भाजपा को ढोते रहिए

पंकज शर्मा

नरेंद्र भाई की टोपी में अगर ईवीएम–फीवीएम तिकडमों का कोई खरगोश है भी तो इस हक़ीक़त से कैसे इनकार करें कि सामुदायिक, सामाजिक और जातिगत समीकरणों पर लगातार केंद्रित रहने का काम करने वाली एक बेहद प्रतिबद्ध पलटन भाजपा के पास है। क्षेत्रीय दलों के पास भले ही अन्यान्य कारणों से ऐसी टोलियां हैं, मगर कांग्रेस तो समर्पित हमजोलियों के नाम पर एक छिछली और सतही गुदड़ी ओढ़ कर पड़ी हुई है। इसलिए जब तक कांग्रेस अपने घिसेपिटेपन से मुक्ति की अंगड़ाई नहीं लेती, तब तक भाजपा को ढोते रहिए।

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों और उन के साथ उत्तर प्रदेश समेत 15 राज्यों में हो रहे 2 लोकसभा क्षेत्रों और 48 विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उपचुनावों से झांक रहा प्रतिपक्षी एकजुटता का दृश्य देख कर जिन की जी नहीं मचला रहा है, मैं उन के धैर्य और आस की दाद देता हूं। हरियाणा का झन्नाटेदार थप्पड़ खाने के बाद भी जिस इंडिया–समूह को वे तारे नजऱ नहीं आए हैं, जिन में निश्छल आपसी तालमेल की अनिवार्यता का पैगाम छिपा है तो 2029 की आकाशवाणी की धुन हम–आप अभी से समझ लें तो क्या बेहतर नहीं होगा?उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव नहीं माने तो कांग्रेस संन्यास–भाव ओढ़ कर दधीचि बन गई। मगर फिर भी मध्यप्रदेश में अखिलेश को इतनी लाज नहीं आई कि अब शिवराज सिंह चौहान के बेटे की हो गई बुधनी में कांग्रेस का मान रखने के लिए अपना प्रत्याशी न उतारते। महाराष्ट्र में कांग्रेस को जितनी सीटें मिलनी चाहिए थीं, उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने उस से दो दर्जन कम दीं। झारखंड में तेजस्वी यादव ने बाद में भले ही थोड़ी परिपक्वता दिखाई, मगर शुरुआत तो हेमंत सोरेन और कांग्रेस पर बेज़ा दबाव बना कर ही की। तो अगर कोई सोच रहा हो कि उत्तर प्रदेश की 9 सीटों पर कांग्रेस आह्लादित हो कर समाजवादी पार्टी के साथ नाचेगी; कि महाराष्ट्र में कम सीटें मिलने से उम्मीदवारी के आकांक्षी जिन दिग्गज कांग्रेसी नेताओं के पंख झर गए हैं, वे उद्धव की शिवसेना और पवार की एनसीपी के साथ आनंदित हो कर ठुमके लगाएंगे; कि झारखंड में आरजेडी अब जेएमएम के साथ 'तुम चंदन, हम पानी' हो जाएगी; तो ऐसी मासूमियत पर कौन न मर जाए ऐ खुदा!पश्चिम बंगाल से ले कर असम, मेघालय और सिक्किम तक; बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान और गुजरात से ले कर उत्तराखंड तक; और पंजाब से ले कर कर्नाटक और केरल तक विपक्षी एकजुटता की गठरी का जर्जरपन नंग–धडंग हमारे सामने खड़ा है।

इस सत्य पर, इस तथ्य पर, जिन्हें लीपापोती करनी हो, करें। जिन्हें मुंह बाए सामने खड़ी इस तीलीलीली–सच्चाई से आंखें चुरानी हों, चुराएं। लेकिन एक बात आज ही गांठ बांध लें कि महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों के बाद, अगले आम चुनाव तक, 17 प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव होंगे और अगर उन में प्रतिपक्षी एकजुटता का यही हश्र होता हुआ लोगों ने देखा तो 2029 में भी भारतीय जनता पार्टी का कोई राष्ट्रीय विकल्प तैयार हो पाने का सवाल तक भी नहीं उठेगा।विपक्ष की एकता को जैसे–तैसे बचाए रखने की आज ज़हमत उठा रहे पुरोधाओं की प्रभावशीलता पांच बरस बाद की गर्मियों में कितनी रह जाएगी? शरद पवार तब 88 साल के होंगे। लालू प्रसाद यादव 81 के हो जाएंगे। सोनिया गांधी 82 की होंगी। उद्धव ठाकरे 69 के हो जाएंगे। एक राहुल गांधी को छोड़ दें तो क्या तब सुप्रिया सुले, तेजस्वी यादव और आदित्य ठाकरे को विपक्षी एकता का फलक अपने लिए चुंबकीय–तत्व की कारगर भूमिका में स्वीकार कर लेगा? क्या पांच साल बाद अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और वाम–दलों का कोई प्रकाश करात, माणिक सरकार, पिनरई विजयन या डी. राजा प्रतिपक्षी बरामदे में सियासी–अप्सरा सरीखा आकर्षण केंद्र बने रह पाएंगे? विजयन तब 84 के हो रहे होंगे और करात 81 के। अपरिवर्तनीय यथार्थ यह भी है कि नरेंद्र भाई मोदी भी पांच साल बाद 79 के हो रहे होंगे और भाजपा के भीतरी झंझावातों के बावजूद वे तब तक प्रधानमंत्री बने रह भी गए तो भी 2029 का चेहरा तो वे नहीं होंगे।

रोशनी में रैंकिंग्स का सच–झूठ

मोदी सरकार को विश्वसनीय आंकड़ों से खास गुरेज है। दशकीय जनगणना तक उसकी प्राथमिकता में नहीं है, तो आंकड़ों के प्रति उसके अपमान भाव को सहज ही समझा जा सकता है। जबकि ऐसे आंकड़े सामने हों, तो रैंकिंग्स का सच–झूठ खुद जाहिर हो जाएगा।

पिछले हफ्ते ग्लोबल हंगर इंडेक्स जारी हुआ। हर साल की तरह भारत में यह राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना। हालांकि इस बार भारत की रैंकिंग में कुछ सुधार दिखा– भारत 111वें से 105वें स्थान पर चला आया– मगर यह रैंक भी बहुत नीचे है, इसलिए यह इंडेक्स नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने का फिर से औजार बना। मोदी सरकार का नजरिया ऐसी रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर देने का रहा है। सरकार ऐसे सूचकांकों के लिए आंकड़े इक्के करने के तरीके पर सवाल खड़े करती है। जबकि ऐसा नहीं है कि उसे ऐसे हर इंडेक्स से गुरेज हो। जिन रैंकिंग्स में भारत की बेहतर सूरत दिखे, उसका इस सरकार द्वारा धुआंधार प्रचार भी किया जाता है। अपने आरंभिक वर्षों में विश्व बैंक के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत का दर्जा उछलने को उसने अपनी खास उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया था।

लेकिन जल्द ही विशेषज्ञों ने उस सूचकांक की खामियां स्पष्ट कर दीं। भारत सहित कई देशों पर उसे को सुनियोजित ढंग से प्रभावित करने के आरोप लगे। विवाद इतना बढ़ा कि विश्व बैंक ने वह सूचकांक तैयार करना ही छोड़ दिया। उधर गुजरे दस साल में मानव विकास एवं लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं संबंधी तमाम सूचकांकों पर भारत की बदतर तस्वीर उभरी है। वैसे विशेषज्ञ भी मानते हैं कि कई सूचकांक गहन शोध पर आधारित नहीं होते। वे फैलते गए एनजीओ कल्चर का हिस्सा हैं। फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए एनजीओ इन्हें हर साल जल्दबाजी में तैयार कर देते हैं।

मगर हकीकत यह भी है कि इन सूचकांकों को दुनिया भर के मीडिया में खूब प्रचार मिलता है। देशों की छवि इनसे बनती बिगड़ती है। तो हल क्या है? समाधान यह है कि भारत अपने हर क्षेत्र के बारे में विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त आंकड़े खुद जारी करे। मगर मोदी सरकार को ऐसे आंकड़ों से खास गुरेज रहा है। दशकीय जनगणना तक उसकी प्राथमिकता में नहीं है, तो विश्वसनीय आंकड़ों के प्रति उसके अपमान भाव को सहज ही समझा जा सकता है। जबकि ऐसे आंकड़े सामने हों, तो उनकी रोशनी में रैंकिंग्स का सच–झूठ खुद जाहिर हो जाएगा।

अनुपम खेर की विजय 69 का ट्रेलर जारी, फिल्म की रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

अक्षय रॉय द्वारा निर्देशित अनुपम खेर अभिनीत विजय 69 के निर्माताओं ने दिल को छू लेने वाली फिल्म का ट्रेलर जारी किया है। यह फिल्म एक 69 वर्षीय व्यक्ति की अपरंपरागत यात्रा के बारे में बात करती है। फिल्म के निर्देशक ने कहा, विजय 69 जिंदगी में दूसरी बार मिलने वाले मौकों पर आधारित एक फिल्म है। इसमें दिखाया गया है कि हम अपने जीवन में वास्तव में क्या करना चाहते थे और क्या बन गए। यह फिल्म इसके बीच के अंतर के बारे में बात करती है। उन्होंने अनुपम खेर के साथ काम करने को एक शानदार अवसर बताते हुए कहा,

उन्होंने (अनुपम खेर) न केवल खुद को पूरी तरह से इस भूमिका के लिए समर्पित किया, बल्कि इस भूमिका में वो गहराई और प्रामाणिकता लेकर आए जो केवल एक खास अभिनेता ही कर पाता है। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स के सहयोग को सफल बनाने के लिए मेरे निर्माता मनीष शर्मा के साथ एक बार फिर काम करना खुशी की बात थी। हमारा इरादा एक ऐसी फील–गुड फिल्म बनाने का था जो उम्मीद है कि सभी पीढ़ियों के दर्शकों को पसंद आएगी। फिल्म में 69 वर्षीय व्यक्ति की अपरंपरागत यात्रा को दिखाया गया है जो ट्रायथलॉन में प्रतिस्पर्धा में शामिल होने की कठिन चुनौती लेता है। इसमें अनुपम खेर विजय की भूमिका निभा रहे हैं, जिनकी उग्र भावना और दृढ़ संकल्प उनके आस–पास के लोगों को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी उम्र में सपनों का पीछा करने का क्या मतलब है।

जडेजा ने कराई वापसी, बल्लेबाजों ने कटा दी नाक

नई दिल्ली। रवीन्द्र जडेजा गेंदबाजी में स्टार रहे, लेकिन भारत ने मुंबई टेस्ट के पहले दिन खेल समाप्त होते–होते नियंत्रण खो दिया। जडेजा ने 65 रन देकर 5 विकेट लिए और न्यूजीलैंड की टीम डेरिल मिचेल के 82 और विल यंग के 71 रनों के बावजूद 235 रनों पर ढेर हो गई। वानखेड़े स्टेडियम में जडेजा ने तीसरे टेस्ट में खेल को बदल दिया। दूसरे सत्र में जडेजा की घातक गेंदबाजी देखने को मिली। भारत की स्थिति मजबूत लग रही थी, लेकिन रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और विराट कोहली के विकेटों ने न्यूजीलैंड को मैच में वापसी करने का रास्ता दे दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और वानखेड़े स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। वे मिचेल सैंटनर और टिम साउदी के बगैर उतरे। उनका जगह मैट हेनरी और ईश सोढ़ी को शामिल किया।

आकाशदीप ने दिलाई शुरुआती सफलता

आकाश दीप ने भारत को शुरुआती सफलता दिलाई। कॉनवे को चलता किया। विल यांग अपने कप्तान टॉम लैथम

के साथ क्रीज पर आए और दोनों ने पारी को तेजी से आगे बढ़ाया। यांग और लैथम ने 44 रन जोड़े, लेकिन वाशिंगटन सुंदर ने शानदार स्पिन गेंदबाजी करते हुए भारत को दूसरी सफलता दिला दी। फिर उन्होंने इस सीरीज में रचिन रविंद्र को तीन पारियों में तीसरी बार आउट किया।

जडेजा ने कराई वापसी

विल यांग (71) और डेरिल मिचेल (82) ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 87 रनों की साझेदारी हुई। इसे जडेजा ने तोड़ा। जडेजा ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर खेल बदल दिया। फिर एक बाद एक विकेट गिरते रहे और भारत ने वापसी। वाशिंगटन सुंदर ने डेरिल मिचेल को आउट कर न्यूजीलैंड को 235 पर सिमटने के लिए मजबूर कर दिया। सुंदर ने चार विकेट लिए।

बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम शुरुआत में अच्छी दिखी। रोहित और जायसवाल ने कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन रोहित शर्मा के आउट होते ही मैच पूरी तरह से बदल गया। रोहित ने 18 रन बनाए और मैट हेनरी की गेंद पर आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल भी 30 रन के स्कोर पर एजाज की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। नाइटवॉच मैन के रूप आए सिराज बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। विराट कोहली 4 के स्कोर पर रन आउट हो गए। गिल 31 रन और पंत 1 रन नाबाद लौटे।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और जिगरा का खेल खत्म, लाखों कमाने में भी छूट गए पसीने

आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर जिगरा और राजकुमार राव की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. जहां राजकुमार राव की रोमकॉम ने जैसे तैसे अपना बजट वसूल कर लिया. वहीं आलिया की एक्शन थ्रिलर को दर्शकों ने सिरे से नकार दिया और ये फिल्म फ्लॉप हो चुकी है. चलिए यहां जानते हैं दोनों फिल्मों का रिलीज के 18वें दिन बॉक्स ऑफिस पर कैसा हाल रहा है विक्की विद्या का वो वाला वीडियो रिलीज के तीसरे हफ्ते में हैं. राजकुमार राव स्टारर फिल्म की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस बहुत ज्यादा अच्छी नहीं रही है. हालांकि फिल्म की ओपनिंग अच्छी हुई थी जिसके बाद लग रहा था कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देंगी लेकिन पहले हफ्ते के बाद फिल्म के कलेक्शन में गिरावट देखी गई. बावजूद इसके विक्की विद्या का वो वाला वीडियोह्न ने ठीक–ठाक कमाई कर ली है. विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के अब तक के कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म की पहले हफ्ते की कमाई 27 करोड़ और दूसरे हफ्ते का कलेक्शन 10.15 करोड़ रुपये रहा था. वहीं तीसरे फ्राइडे फिल्म ने 65 लाख, तीसरे शनिवार 1.2 करोड़ और तीसरे रविवार 1.2 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के तीसरे सोमवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने तीसरे सोमवार यानी 18वें दिन 45 लाख की कमाई की है. इसी के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का 18 दिनों का कुल कलेक्शन अब 40.65 करोड़ रुपये हो गया है. काफी बज के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई ह्यजिगराह्न पहले ही दिन फुस्स हो गई थी. भाई–बहन की इमोशनल स्टोरी पर बनी ये फिल्म दर्शकों को हजम नही हुई और इसी के साथ इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर भी बंटाधार हो गया. आलिया भट्ट स्टारर जिगरा रिलीज के पहले दिन से ही मीभर कमाई के लिए संघर्ष करती नजर आई. दूसरे हफ्ते में तो ह्यजिगराह्न वेंटिलेटर पर पहुंच गई और इसके लिए चंद लाख कमाना भी मुश्किल हो गया.

नाना पाटेकर की वनवास का टीजर जारी, पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है कहानी

पिछले लंबे समय से दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपनी आगामी फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान गदर और गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा ने संभाली है।इस फिल्म में अनिल के बेटे और अभिनेता उत्कर्ष शर्मा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।अब वनवास का टीजर रिलीज हो गया है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी एक पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है। वनवास इस साल क्रिसमस के खास मौके पर यानी 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना वरुण धवन और एटली की फिल्म बेबी जॉन से होगा, जो इस साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

200 करोड़ से ज्यादा कमा चुके हैं रोहित–विराट, धोनी भी नहीं हैं पीछे

नई दिल्ली। आइपीएल 2025 ये पहले गुरुवार को सभी 10 फ्रेंचाइजी ने अपने रिटेन प्लेयर्स की लिस्ट जारी कर दी। कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स ने सबसे ज्यादा 6–6 प्लेयर को रिटेन किया।वहीं मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स ने 5–5 प्लेयर्स को बरकरार रखा। गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जायंटस और सनराइजर्स हैदराबाद ने भी 5–5 प्लेयर पर दांव लगाया। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स ने 4, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 3 और पंजाब किंग्स ने 2 प्लेयर्स पर भरोसा जताया।

कोहली को मिले 21 करोड़

विराट कोहली कढछ 2025 रिटेंशन में सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें 21

करोड़ रुपये में रिटेन किया। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने महेंद्र सिंह धोनी को बतौर अनकैप्ड प्लेयर अपने साथ जोड़ा।

नए नियमों के मुताबिक धोनी ने 5 साल से इंटर

एक नजर

त्योहार सीजन में डोईवाला में बढ़ गया ट्रैफिक

ऋषिकेश। त्योहार के सीजन के चलते डोईवाला में वाहनों का दबाव अचानक बढ़ गया। वाहनों के अत्यधिक दबाव के चलते डोईवाला में जगह जगह जाम की स्थिति बन रही है। डोईवाला चौक से मिल रोड पर दिन में कई बार जाम की स्थिति बन रही है। वहीं डोईवाला चौक से ऋषिकेश रोड की तरफ वाहनों की गति बहुत कम हो गई है। शिमलास ग्रांट के पूर्व प्रधान उम्मेद बोरा ने बताया कि डोईवाला दूधली मोथरो वाला मार्ग पर भी वाहनों का दबाव बहुत ज्यादा है। गांव के बीच से होकर जाने वाले इस मार्ग पर तेज गति के चलते छोटे बच्चों महिलाओं और सुबह मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों के लिए भी वाहनों की गति उन्हें मुसीबत में डाल रही है। यहां 2 वर्ष पूर्व स्कूल की छुट्टी के वक्त एक तेज गति से आ रहे हैं वाहन ने टक्कर मारकर एक छात्रा की जान ले ली थी। जिसके चलते लोगों में दहशत का माहौल है। लच्छीवाला में राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल बचाने के लिये अधिकांश वाहन मोथरा वाला, दूधली होते हुए डोईवाला आ रहे हैं। लेकिन रोड का संकरा होना लोगों को मुसीबत में डाल रहा है। डोईवाला के व्यवसायी सचिन मेहता ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास बन जाने के बाद पहली बार डोईवाला में इतने वाहन पहली बार देखे जा रहे हैं। जिनमें दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और कुमाऊं क्षेत्र के वाहन दिखाई दे रहे हैं। टोल बचाने के फेर में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का मार्ग पर आना मुसीबत का सबब बन गया है। सीओ ट्रैफिक अनुज आर्य ने बताया कि फेस्टिवल सीजन होने के कारण लोग रिस्पना और शहर में अन्य जगह जाम के चलते वैकल्पिक मागी से जाना पसंद करते हैं। इसी कारण डोईवाला और रायपुर से थानों मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है।

दीप जला शहीदों को दी श्रद्धांजलि

ऋषिकेश(आरएनएस)। पूर्व सैनिक केंद्रीय संगठन डोईवाला ने एक दिया शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें संगठन सदस्यों ने दीए जलाकार शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। शुक्रवार को पूर्व सैनिक केंद्रीय संगठन डोईवाला ने बुल्लावाला में दीपावली पर एक दिया शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों ने दीए जलाकर देश के लिए शहीद जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। संगठन के अध्यक्ष सूबेदार मेजर प्रकाश बहुगुणा ने कहा कि राष्ट्र को जिंदा रखने के लिए असंख्य वीर शहीदों ने देश के लिए अपनी कुर्बानियां दी है। उपाध्यक्ष सूबेदार सुरेश पुंडीर और महासचिव प्रताप सिंह बिष्ट ने कहा कि हमारे वीर सपूत सरहद पर खड़े हैं, इसलिए हम सब सुरक्षित होकर त्योहार को मना पाते हैं। संगठन सचिव जरनैल सिंह ने कहा कि भारत माता की आन बान और शान के लिए वीर सबूत हंसते बलिदान हो गए हैं, उनके बलिदान को नमन करते हुए उन्हें सदैव स्मरण रखने की आवश्यकता है। मौके पर कैप्टन कुंदन सिंह बिष्ट, सूबेदार महिपाल सिंह, सूबेदार लक्ष्मण सिंह रावत, हवलदार राजेश सिंह रावत, हवलदार अरुण पटवाल, सूबेदार शांति प्रसाद भट्ट, रामेश्वर प्रसाद, बलवीर सिंह कैंतूरा, पीतांबर चमोली, सुरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

मल्ला बनास में स्वरोजगार के लिए कार्य करेंगे: महेंद्र भट्ट

ऋषिकेश। राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने शुक्रवार को सांसद आदर्श गांव मल्ला बनास में पंचायत भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने क्षेत्र के पूर्व प्रधानों को सम्मानित किया। शुक्रवार को सांसद आदर्श गांव मल्ला बनास में कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण और संग्रहालय के लिए भूमि पूजन राज्यसभा सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने किया। उन्होंने कहा कि मल्ला बनास वास्तव में पौड़ी गढ़वाल का आदर्श गांव हैं। ग्राम प्रधान बचन बिष्ट के प्रयासों से 3200 गांव में से मल्ला बनास को आदर्श ग्राम का दर्जा मिला है। गांव में पूर्व में प्रस्तावित कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। गांव में स्वरोजगार से संबंधित कार्य किए जाएंगे। पलायन निवारण आयोग के सदस्य सुरेश सुयाल ने कहा कि गांव में पालयन को कैसे रोका जाए और कैसे स्वरोजगार को पैदा किया जाए, यह चिंता का विषय है। इसको लेकर कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रीन मैन विजय कुमार ने कहा कि उत्तराखंड के पर्यावरण को हरा भरा रखने का प्रयास जारी है। भाजपा की प्रदेश मंत्री डॉ. मीरा रतूड़ी ने कहा कि गांव के विकास में महिलाओं की सहभागिता बेहद जरूरी है। प्रधान बचन बिष्ट ने कहा कि पंचायत कार्यालय के लिए धनवीर सिंह ने भूमि दान की, जबकि संग्रहालय के लिए पूर्व कमिश्नर उम्मेद बिष्ट ने भूमि दान की।

खूब हुई आतिशबाजी, धूमधाम से मनाई दीपावली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में दीपावली पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। लोगों ने दीये जलाए और रंग- बिरंगी लड़ियों से घरों को सजाया। महिलाओं ने रंगोली सजाई, वहीं बच्चों ने आतिशबाजी कर दीपावली की खुशी मनाई। त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से निपटने से पुलिस और प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।

दीपावली में पटाखों के खतरे को लेकर प्रशासन पहले से ही अलर्ट रहा। पटाखों के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने शहर से बाहर पटाखों की दुकानों को लगाने की व्यवस्था की थी। पुलिस ने शहर में भीड़ कम करने के लिए नया ट्रैफिक प्लान भी लागू किया था। भारी वाहनों का नगर में प्रवेश वर्जित रहा, जिससे शहर में यातायात व्यवस्था ठीक रही।

नजीबाबाद रोड व देवी रोड स्थित चिह्नित स्थानों पर पटाखा की दुकान लगी थी। जहां पटाखा खरीदने वालों की भीड़ दिखाई दी। वहां पर दमकल कर्मी मुस्तैद रहे। शहर से लेकर गांवों तक दीवाली पर खूब आतिशबाजी हुई। लोगों ने खील, बताशे और मिठाई बांटकर एक–दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। शहर में दीपावली के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रही। झंडाचौक से लेकर भाबर तक फायर बिग्रेड भी अलर्ट मोड पर रहा। दीपावली को शाम सात बजे से देर रात तक पटाखे छूटते रहे।

दीपावली पर आतिशबाजी करते शहरवासी

दिल्ली पुलिस में उपनिरीक्षक बनने पर जताई खुशी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः शहर से सटी गगवाडस्यूं घाटी के ननकोट गांव के आशीष रावत का दिल्ली पुलिस में पासिंग आउट परेड के बाद उप निरीक्षक के पद पर नियुक्ति हुई हैं। उनका उपनिरीक्षक के पद पर चयन होने पर ग्रामीणों ने खुशी जताई है। ननकोट के स्थानीय ग्रामीण एवं सामाजिक कार्यकर्ता जसपाल रावत ने बताया कि आशीष के दादा स्व. बलवंत सिंह भारतीय सेना में थे। सेना से सेवानिवृत्त के बाद उनका पूरा जीवन सामाजिक सरोकारों से जुड़ा रहा। आशीष के पिता उपेंद्र रावत दिल्ली में छोटी सी प्राइवेट नौकरी करते है और माता गृहणी हैं। आशीष की प्राथमिक शिक्षा, प्राथमिक विद्यालय ननकोट, इंटर तक की पढ़ाई पौड़ी में भगतराम मॉडल स्कूल पौड़ी में हुई। उनकी स्नातक की पढ़ाई गढ़वाल विवि परिसर पौड़ी में हुई। पौड़ी से दिल्ली तक का सफर आशीष द्वारा गांव से ही तय किया गया। बताया कि उपनिरीक्षक पद पर आशीष का चयन होने पर पूरी गगवाडस्यूं घाटी में खुशी बनी हुई है।

अजुर्न हाउस चैंपियन व गोपाल, गंभीर हाउस बने उपविजेता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः इंस्टिट्यूट ऑफ़ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से आयोजित पांच दिवसीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता आईएचएमएस ऑलंपियाड-2024 का अजुर्न हाउस चैंपियन बना। जबकि गोपाल और गंभीर हाउस को सयुक्त रुप से उपविजेता घोषित किया गया।बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित कालेज के खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम का कोतवाल कोटद्वार रमेश तनवर ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होने अपने संबोधन में प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी, साथ ही साइबर क्राइम से बचने के लिए मोबाइल का प्रयोग सोच समझकर करने की अपील की। समापन के अवसर पर रस्साकशी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालिका वर्ग में गोपाल हाउस ने प्रथम, अजुर्न हाउस ने द्वतीय और गंभीर हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में गोपाल हाउस ने प्रथम, अर्जुन हाउस ने द्वितीय और गंभीर हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी खेलों में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों को मैडल और प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। अंतर में प्रतियोगिता के विजेता और उपविजेता की घोषणा की गई।

प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने पर 116 अंक लेकर अजुर्न हाउस प्रतियोगिता की विजेता रहा, जबकि 96-96 अंक के साथ गंभीर और गोपाल हाउस प्रतियोगिता के उपविजेता रहे। कालेज के एमडी बीएस नगी, ईडी अजयराज नेगी, डायरेक्टर एडमिन कर्नल बीएस गुसाईं (सेनि.), डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉक्टर अश्वनि शर्मा समेत सभी प्रध्यापकों ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा पूर्णिमा नेगी और रितु नेगी ने किया।

राज्य महिला आयोग ने लिया संज्ञान, कार्रवाई के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कीर्तिनगर क्षेत्र में नाबालिग को मुस्लिम युवक द्वारा लव जिहाद में फंसाकर भगाने के मामले का उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कड़ा रुख जताते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी आयुष अग्रवाल से फोन पर वार्ता कर पूरे प्रकरण की गंभीर जांच व मामले में संलिप्त सभी आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कंडवाल ने पीड़ित किशोरी की काउंसलिंग व देखरेख की जिम्मेदारी सीडब्ल्यूसी की टीम द्वारा कराई जाने के निर्देश दिए हैं। यहां जारी बयाने में उन्होंने कहा कि देवभूमि में लव जिहाद, धर्मांतरण जैसी घटनाओं के लिए कोई स्थान नही है और ऐसा करने वाले या उसमें शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध जांच करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

कहा कि हमारी देवभूमि की बहन बेटियों को सोशल मीडिया में नाम बदलकर दोस्ती के नाम पर बहला फुसलाकर कर गुमराह करने वालों को बख्शा नही जाएगा। उन्होंने बताया कि एसएसपी टिहरी ने जानकारी दी है कि आरोपियों को गिरफ्तार कर कर लिया गया है। अभी नाबालिग को वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है।

इसके बाद पीड़िता को संप्रेक्षण गृह में भेजा जाएगा। मामले में नाबालिग के बयानों के आधार पर घटना की जांच की जा रही है। नाबालिग का मेडिकल किया जा रहा है। जानकारी व साक्ष्यों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

कांग्रेस ने इंदिरा गांधी व वल्लभ भाई पटेल को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि मनाई गई। सदस्यों ने महापुरुषों के योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

आयोजित गोष्ठी ने सदस्यों ने इंदिरा गांधी व सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। वक्ताओं ने कहा कि इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए सदैव देश हित में कार्य किया । उन्होंने गरीब व असहाय परिवारों की मदद के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं भी बनाई। वहीं, सरदार पटेल ने देश को एकसूत्र में बांधने का संदेश दिया था। उन्होंने देश की 562 छोटी–बड़ी रियासतों का भारत में विलीनीकण करवाया था। उन्होंने सदैव गांव की बात की। राष्ट्र निर्माण में उन्होंने अपना अमूल्य योगदान दिया। इस मौके पर बलवीर सिंह रावत, रंजना रावत, प्रताप सेमवाल, वीरेंद्र सिंह रावत, गोपाल सिंह, दलीप सिंह रावत, विमल सिंह, शैलेंद्र सिंह, कृपाल सिंह नेगी, भीमेंद्र सिंह पंवार, प्रदीप नेगी, गबर सिंह रावत, मनोज रावत, महावीर सिंह नेगी, जावेद, राजा आर्य आदि मौजूद रहे।

दौड़ में मानव व कनिका रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

राजकीय इंटर कालेज किनसुर में आयोजित खेल महाकुंभ का समापन हो गया। दौड़ प्रतियोगिता में मानव व कनिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

फर्मासिस्ट राहुल लखेड़ा व गोपाल सिंह, संध्या देवी, दीप चंद्र शाह, बृजमोहन सिंह ,दिनेश सिंह, अनीता देवी ने प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर अंडर-14 बालक वर्ग साठ मीटर दौड़ में मानव रावत, अनुज रावत, सावन, बालिका वर्ग में कनिका, अशीष, निधि, छह सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में सावन, साहिल, प्रिंस, बालिका वर्ग में अनीषा, निधि, करीना, अंडर-17 सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में सागर, मयंक, साहिल बालिका वर्ग में संजन, संगीता, अपेक्षा, अंडर-17 चार सौ मीटर दौड़ में प्रियांशु, सुमित, सूजल, बालिका वर्ग में संगीता, दिया कुमकुम ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रप्त किया। अंडर -14 कबड्डी प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज कैंडुल विजेता व राजकीय इंटर कालेज किनसुर उपविजेता रहा। अंडर-14 गोला फेंक बालक वर्ग में सावन, अनिकेत, शौर्य, अंडर-17 गोला फें कमें अंबर, सूजल, आयुष, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। अंडर-14 बालक वर्ग खो–खो में राजकीय इंटर कालेज किनसुर, विजेता, राजकीय इंटर कालेज कैंडुल उपविजेता रहा। अंडर-17 बालक वर्ग चक्का फेंक में अंबर, आयुष, सूजल, बालिका वर्ग में रश्मि, मानवी, मानसी, अंडर-14 ऊंची कूद बालक वर्ग में मानव, हिमांशु, अक्षित, बालिका वर्ग में वंशिका, पायल, प्रिया, लंबी कूद बालक वर्ग में मानव, अक्षित, साहिल प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। इस मौके पर रुपेश कुकरेती, महेंद्र सिंह राणा, मनोज नेगी, मलखान सिंह, जसवीर राणा, अभिषेक यादव, पूजा भारती, संध्या सैनी, नरेंद्र रावत, कुलदीप गुसाईं, धीरेन्द्र धूलिया, हरेंद्र सिंह, विनोद रावत, सुधांशु विश्वजीत, विनोद राणा आदि मौजूद रहे।

आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी

दीपावली त्योहार में जौनपुर वासियों के सूखे कंठ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जल संस्थान की लापरवाही ने त्योहार में जौनपुर वासियों के कंठ सुखा दिए हैं। हालत यह है कि वार्ड में पिछले चार दिन से पेयजल किल्लत बनी हुई है। ऐसे में वार्डवासी पूरे दिन पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे हैं। वार्डवासियों ने जल संस्थान से जल्द समस्या के निर-ाकरण की मांग उठाई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जौनपुर क्षेत्र के वाशिंदों को महाविद्यालय के समीप स्थित नलकूप से पेयजल आपूर्ति की जाती है। लेकिन, उक्त नलकूप पिछले चार दिन से खराब पड़ा हुआ है। नतीजा वार्डवासी हाथ में खाली बर्तन पकड़कर पानी की तलाश में इधर–उधर भटक रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी घर में अकेले रहने वाले बुजुर्गों को हो रही है। वार्डवासियों ने बताया कि नलकूप में लगी मोटर दशकों पुरानी है। ऐसे में वह आए दिन दगा दे देती है। पुरानी मोटर के बलले नई मोटर लगवाने के लिए कई बार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, हर बार केवल मोटर की मरम्मत ही करवाई जाती है। नतीजा, दीपावली के इस त्योहार में भी वार्डवासी पानी को भटक रहे हैं। कहा कि यदि जल्द समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो वार्डवासी आंदोलन को मजबूर होंगे।

जौनपुर में पेयजल नलकूप की मरम्मत करते कर्मी

रोशनी से जगमगाएंगे वार्ड, व्यवस्था बेहतर बनाने की तैयारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः नगर निगम की ओर से इन दिनों स्वच्छता, सड़क और पथ प्रकाश की व्यवस्थाओं पर विशेष फोकस किया जा रहा है। नगर निगम में शामिल हुए गांवों के आम रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर पथ प्रकाश की व्यवस्था के साथ ही सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नगर निगम की ओर से कार्ययोजना तैयार की गई है।

सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी ने बताया कि शामिल हुए गांवों में पार्कों की व्यवस्था, रास्तों और नालियों का निर्माण, पथ प्रकाश के साथ ही स्वच्छता आदि पर विशेष फोकस किया जा रहा है। बताया कि जहां विद्युत व्यवस्था नही है वहां सोलर लाइट लगवाई जा रही है। अब तक करीब 250 से अधिक सोलर लाइट लगवाई गई है, जबकि रास्तों और नालियों के निर्माण सहित नगर के आंतरिक मार्गों को गड्ढा मुक्त करने पर काम शुरू कर दिया है।

सरदार पटेल ने अखंड भारत का सपना साकार किया: प्रेमचंद

ऋषिकेश। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर आयोजित रन फॉर यूनिटी क्रॉस कंट्री दौड़ में प्रतिभाग करने वाले धावकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ ने 560 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाया। शुक्रवार को बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने रन फॉर यूनिटी क्रॉस कंट्री के प्रतिभागी अभिषेक यादव, खुशी सैनी, चांदनी साहनी, अंजलि गुप्ता, अभिषेक त्रिशूलिया, मंजू गुप्ता, दीपा भारद्वाज को अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर यह दौड़ आयोजित हुई थी। जिसमें क्षेत्र के युवाओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई, जो सराहनीय है। कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार करने वाले राष्ट्र के महानायक थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण देश की एकता और अखंडता के लिए समर्पित कर दिया, उनका संपूर्ण जीवन हमें राष्ट्र सेवा की प्रेरणा प्रदान करता है। अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता, और अटूट समर्पण के माध्यम से अखंड भारत का सपना साकार किया।

शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर 13 लाख की ठगी

ऋषिकेश। मुनिकीरेती निवासी एक शख्स को शेयर मार्केट में निवेश कर अच्छी कमाई का झांसा देकर साइबर ठगों ने करीब 13 लाख रुपये का चूना लगा दिया। धोखाधड़ी का पता लगने पर पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस से की। तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मुनिकीरेती स्थित चौदहबीघा निवासी आरएस गुसाईं ने तहरीर दी। बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर व्हाट्सऐप के माध्यम से मैसेज आया। अज्ञात ने अमेरिकन सिक्योरिटी कंपनी में खुद को फाइनेंस अधिकारी बताया। आनंद नामक युवक ने शेयर मार्केट में निवेश कर अच्छा पैसा कराने का लालच दिया। बताया कि वह भारत में भी अपना शेयर ट्रेडिंग का व्यवसाय शुरू कर रहे हैं। व्हाट्सऐप पर ही एक लिंक भेजकर ग्रुप में जोड़ा गया, जिसके बाद मोबाइल पर एक ऐप डाउनलोड कराई। पीड़ित ने बताया कि इसीबीच उसके बैंक खाते से 13,72,500 रूपये की ठगी कर ली गई। थानाध्यक्ष रितेश शाह ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट व अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

पेराई सत्र के लिए शुगर मिल में मशीनों का ट्रायल शुरू

ऋषिकेश। शुगर मिल डोईवाला में मिल संचालन से पूर्व महत्वपूर्ण मशीनों की ट्रायल प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया पांच नवंबर तक पूरी हो जाएगी। 22 नवंबर से पेराई सत्र प्रारंभ होने की संभावना है। आगामी पेराई सत्र के लिए डोईवाला चीनी मिल में कैन केरियर, शुगर ग्रेडर स्टेशन का सफल ट्रायल किया जा रहा है। जिसके बाद आने वाले कुछ दिनों में केन अनलोडर, मिल हाउस, बेगास एलिवेटर, बायलर एवं वेट स्प्रेकर, पावर हाउस, मिल टरबाइन, ब्वायलिंग हाउस, जूस हीटर, वैक्यूम फिल्टर, पेन स्टेशन, इटीपी स्टेशन, सेंट्रीफ्यूगल मशीन, सल्फर भट्टी सहित मिल संचालन में महत्वपूर्ण 22 स्टेशनों की मशीनों का भी ट्रायल पांच नवंबर से पूर्व कर लिया जाएगा।

प्रदेश हित में जरूरी है भू-कानून व मूल निवास

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः स्व.सरोजनी देवी लोक विकास समिति की ओर से स्व. सरोजनी देश की 13वीं पुण्य तिथि मनाई गई। इस दौरान प्रदेश हित के विषयों को लेकर भी चर्चा की गई। जिसमें वक्ताओं ने भू-कानून व मूल निवास को प्रदेश हित में बताया। कहा कि देव भूमि के बेहतर विकास के लिए जल्द भू-कानून व मूल निवास लागू किया जाना चाहिए। स्व.सरोजनी देवी की 13वीं पुण्य तिथि पर गोष्ठी का आयोजन किय गया। वक्ताओं ने कहा कि भू–कानून हमारी संस्कृति व सभ्यता को बचाने के लिए लागू किया जाना अति आवश्यक है। जो हमारे पूर्वजों की विरासत है उसे बचाने के लिए हम सभी को भू–कानून के लिए आवाज उठानी होगी। कहा कि आग पहाड़ लगातार मूलभूत सुविधाओं को तरसता जा रहा है। इसके लिए भी सरकार को गंभीरता से कार्य करना होगा। गोष्ठी में युवाओं से भी प्रदेश के हित में आगे आने की अपील की गई। इस मौके पर पूर्व शिक्षक सत्य प्रकाश थपलियाल, डा.नंदकिशोर ढौंडियाल, वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र उनियाल, योगेश बिष्ट, विकास आर्य, राजेंद्र नेगी, सीपी नैथानी, धीरज सिंह बछवाण, अन्नपूर्णा जोशी, नेहा नेगी, शिव प्रसाद लखेड़ा, नेत्र सिंह रावत, किशोर रावत, विजय सिंह रावत, अतुल भट्ट आदि मौजूद रहे।

आयोजित गोष्ठी में भाग लेते सदस्य

परमार्थ निकेतन में धूमधाम से मनायी दीपावली

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और डिवाइन शक्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी भगवती सरस्वती जी ने माँ गंगा के पावन तट पर श्री गणेश जी व लक्ष्मी जी का वेदमंत्रों व शंख ध्वनि के साथ पूजन–अर्चन कर भारत की समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर भारत सहित विश्व के अनेक देशों से आये श्रद्धालुओं ने सहभाग कर इस पावन अवसर की दिव्यता का आनंद लिया। वेदमंत्रों की पवित्र ध्वनि और शंख की गुंजायमान ध्वनि ने समस्त वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।सभी ने मिलकर परमार्थ प्रांगण को दीपों से सुसज्जित कर रोशनी और खुशियों का उत्सव मनाया। विदेशियों ने भी परमार्थ प्रांगण में दीप प्रज्वलित कर खुशियाँ मनायी। आज का यह क्षण सामूहिक भक्ति, एकता, प्रेम और समृद्धि का दिव्य संदेश दे रहा है, लोकल दीपावली, ग्लोबल दीपावली के साक्षात दर्शन हो रहे हैं। आज केवल भारत नहीं बल्कि पूरी दुनिया दीपावली मना रही है। आज वही अयोध्या जिसकी कभी सूनी सड़कें, गंदी गलियां, राह निहारते घाट और हाट थे कि कोई तो आये आज वहीं जगमगा रही है और पूरे विश्व का स्वागत कर रही है तथा पूरा विश्व अयोध्या में प्रभु श्री राम का अभिनन्दन कर रहा है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि दीपावली, रोशनी और खुशियों का पर्व है, आध्यात्मिक और आर्थिक समृद्धि का आधार है। यह पर्व न केवल हमारे घरों को प्रकाशित करता है, बल्कि हमारे हृदयों में भी उजाला भरता है। दीयों का यह उजाला वैश्विक शांति, सद्भाव, समरसता और समृद्धि के रूप में पूरे विश्व को प्रकाशित करे यही प्रभु से प्रार्थना है।दीपावली का पर्व केवल बाहरी स्वच्छता और रोशनी का नहीं है, बल्कि यह हमें आत्म–निरीक्षण और आत्म–सुधार का भी अवसर प्रदान करता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जिस प्रकार हम अपने घरों और आस–पास की सफाई करते हैं, उसी प्रकार हमें अपने भीतर भी साफ–सफाई भी करना जरूरी है। हमारे भीतर जो भी दूर्गुण, नकारात्मकता और भेदभाव के जाले हैं, उन्हें दूर करना जरूरी है। दीपावली का पर्व हमें इस दिव्य अवसर का उपहार देता है कि हम अपने भीतर की स्वच्छता और पवित्रता को बनाए रखें। दीपावली का पर्व आर्थिक समृद्धि और खुशहाली का भी प्रतीक आज के दिन लोग अपने व्यवसायों में प्रगति की कामना करते हुये धन की देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

मुरादाबाद मंडल के बरेली, मुरादाबाद, हरिद्वार एवं देहरादून स्टेशन के पार्सल कार्यालयों में **सभी आउटगोइंग पार्सल की स्कैनिंग के लिए पार्सल स्कैनर मशीन के अनुबंध** हेतु **05 साल** के लिए ई–नीलामी के तहत दिनांक **18.11.2024** (समय **11:00 am**) को **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर ही उपलब्ध है। **3399/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (रुचि की अभिव्यक्ति)

मंडल रेल प्रबन्धक (चिकित्सा), उत्तर रेलवे, मुरादाबाद भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये कार्य करते हुए निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाइन खुली निविदायें आमन्त्रित करते हैं।

निविदा सूचना संख्या : DHMBLP_1 दिनांकित 01.11.2024
कार्य का नाम : मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के लिये स्थानीय क्रय हेतू ब्रांडेड मेडिसिन्स(नारकोटिक्स सहित), कन्जूमेबिल्स एण्ड डिसपसेजल (सर्जिकल), आरथोपैडिक्स इमप्लान्टस सी.ए.पी.डी., फ्लुड्स, डेन्टल, लेबोरेटरी आइटम्स, सूचर मैटिरियल्स एवं सभी अन्य इमरजेन्सी आइटम्स के फुटकर विक्रेताओं एंव आपूर्तिकर्ताओं के पंजीकरण हेतू आवेदन आमन्त्रित किये जाते हैं।
अनुमानित लागत : रु. 1.62 करोड़।
कार्यपूर्णता अवधि : दो वर्ष के लिये।
अग्रिम धनराशि : रु. 3,20,000/मात्र।
ऑनलाइन आवेदन हेतु बेबसाइट : https://ireps.gov.in
निविदा प्रस्तुत करने एवं खुलने की अंतिम तिथि, समय एवं स्थान : निविदा प्रस्तुत करने का समय 01.11.2024 से 21.11.2024 को 10:00 बजे तक एवं खुलने का समय उसी दिवस में 13:00 बजे
वेबसाइट : www.nr. indianrailway.gov.in
निविदा प्रपत्र की कीमत : Free

3391/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

व्हाट्सएप पर आए लिंक को क्लिक कर गंवाए 1.71 लाख

देहरादून। ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे दून के युवक का फोन हैक कर साइबर ठगों ने खाते से 1.71 लाख रुपये निकला लिए। पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बसंत विहार थाना पुलिस के अनुसार, विमल तिवारी निवासी आईटीबीपी रोड सीमाद्वार ने तहरीर दी कि वो एक ऑनलाइन एप से शॉपिंग कर रहे थे। इस दौरान उन्हें दो अलग-अलग नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वालों ने व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। लिंक क्लिक करते ही उनका फोन हैक हो गया। कुछ देर बाद उनके बैंक खाते से 1,71,000 रुपये ठग लिए गए। इसमें से 01 लाख रुपये उनके बैंक खाते से और 51,042 और 20 हजार रुपये उनके केडिट कार्ड से निकाले गए। उन्होंने बताया कि फोन के अंदर उनके क्रेडिट कार्ड का फोटो सेव था, ऐसे में आरोपियों ने उससे भी धनराशि निकाल दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

दीपावली पर्व प्रदेशभर में शत प्रतिशत विद्युत आपूर्ति का दावा

देहरादून। यूपीसीएल ने प्रकाश पर्व दीपावली पर ऊर्जा ने शत प्रतिशत विद्युत आपूर्ति का दावा किया है। उत्तराखंड पावर कारपोरेशन ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए अधिकारियों कर्मचारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही प्रबंध निदेशक के निर्देश पर मुख्यालय स्तर पर स्पेशल कंट्रोल रूम और श्रेत्रीय स्तर पर अधिकारियों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, ताकि कहीं भी फाल्ट आने पर उसे तत्काल सुधारा जा सके। यूपीसीएल ने दावा किया है कि दीपावली पर्व के दौरान प्रदेशभर में शतप्रतिशत बिजली की आपूर्ति की गई। इस दौरान कहीं कोई रूकावट भी नहीं आई। प्रबंध निदेशक की ओर से आगामी शीत ऋतु में भी विद्युत आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान सभी अधिकारियों को अपनी ड्यूटी में हाई अलर्ट मोड में कार्य करने को कहा गया है। बिजली संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत एवं जानकारी के लिए उपभोक्ताओं के लिए 1912 नंबार जारी किया गया है। साथ ही क्षेत्रीय अधिकारियों को नियमित रूप से अनुरक्षण का कार्य करने वाली कार्यदायी एजेंसी को हाई अलर्ट मोड में तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि ब्रेकडाउन की स्थिति में तुरंत कार्रवाई कर विद्युत आपूर्ति को बहाल किया जा सके।

डीजीपी ने दिया पुलिस भर्ती की उम्र बढ़ाने का आश्वासन

देहरादून। उत्तराखंड बेरोजगार संघ का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को डीजीपी अभिनव कुमार से पुलिस मुख्यालय में मिला। इस दौरान उन्होंने पुलिस कांस्टेबल भर्ती में उम्र सीमा में छूट देने की मांग। जिस पर डीजीपी ने आयुसीमा बढ़ाने का आश्वासन दिया। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राम कंडवाल ने बताया कि डीजीपी ने आश्वासन दिया है कि सरकार और पुलिस बेरोजगारों के साथ है और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भले ही भर्ती के फॉर्म निकल गए हो, लेकिन आयुसीमा बढ़ाने कार्रवाई गतिमान हैं और जल्द ही फॉर्म भरने से वंचित रह रहे प्रदेश के बेरोजगारों को फॉर्म भरने की छूट दी जाएगी। कंडवाल ने कहा कि डीजीपी अभिनव कुमार से वार्तालाप सकारात्मक रही। राम कंडवाल ने कहा कि प्रदेशभर के युवा डीजीपी अभिनव कुमार की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं और उन्होंने मांग की है कि यूपी की तर्ज पर उत्तराखंड में भी आयुसीमा में 5 साल की छूट प्रदान की जाए। क्योंकि यूपी में तीन साल बाद भर्ती आई तो वहां तीन साल बढ़ाई गई। जबकि उत्तराखंड में 8 साल बाद भर्ती आई तो 5 साल की छूट युवाओं को मिलनी चाहिए। राम कंडवाल ने कहा कि डीजीपी को ऐतिहासिक फैसला लेना चाहिए। जिससे उनका कार्यकाल यादगार बने। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांगों पर अमल नहीं किया जाता है तो आने वाले दिनों में पूरे उत्तराखंड में रैलियां और बड़े-बड़े प्रदर्शन करने पर वो मजबूर होंगे।

लीसे के 60 टिन के साथ आरोपी गिरफ्तार

हल्द्वानी। दीपावली के दौरान अवैध लीसे का कारोबार करने की फिराक में घूम रहे एक आरोपी को पुलिस और एसओजी टीम ने 60 टिन लीसे के साथ गिरफ्तार किया है। एसओ काठगोदाम विमल कुमार और एसओजी प्रभारी संजीत राठौर के नेतृत्व में चेकिंग के दौरान आईटीबीपी ट्रांजिट कैंप के पास नैनीताल रोड, काठगोदाम से डूंगर सिंह सुरकाली निवासी ग्राम रथल, कपकोट जिला बागेश्वर को 60 टिन लीसे के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने वाहन को भी सीज कर दिया है।

सीएम धामी ने दीपावली मिलन कार्यक्रम के तहत बनबसा में आयोजित कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीपावली मिलन कार्यक्रम के तहत एनएचपीसी गेस्ट हाउस बनबसा में आयोजित एक कार्यक्रम के तहत भूतपूर्व सैनिकों को किया सम्मानित, उन्हें दीपावली की दी बधाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उपस्थित सभी पूर्व सैनिकों को दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि एक सैनिक अपने सेना व अर्धसैन्य बल में अपनी सेवाकाल के दौरान देश की रक्षा का कार्य करता है, जब वह अपनी इस सेवा से सेवानिवृत्त हो जाता है, उसके उपरांत वह समाज की सेवा में जुट जाता है। इसलिए कोई भी सैनिक भूतपूर्व सैनिक नहीं होता है वह हमेशा ही देश की सेवा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने वाला वीर सैनिक होता है। जब वह सरहदों पर सेना के सुरक्षा कवच के रूप में तैनात होता है, तब वह देश की सुरक्षा कर रहा होता है और जब वह सेवानिवृत्त होकर घर आता है फिर सामाजिक सेवा करने लग जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भूतपूर्व सैनिकों व अन्य को सम्बोधित करते हुए कहा कि दीपावली के शुभ अवसर पर आज उन सबके बीच में आकर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। जिन्होंने सेना में रहकर लगातार देश की सीमाओं की रक्षा कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है, जो आज भी उसी प्रकार समाज के हित के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं भी सेना के परिवार से हूँ। सेना के साथ ही रहकर पला बड़ा हूं वहीं के संस्कार मुझे मिले हैं। पूर्व सैनिकों के साथ जाकर उनकी सेवा करने का अवसर मुझे जो प्राप्त हुआ है मैं उसके लिए अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारत की सेना का इतिहास एक गौरवशाली इतिहास रहा है। देश की आजादी के बाद हमारी सेना ने जितने भी युद्ध लड़े हैं उसमें अपना अदम्य साहस हमारे वीर सैनिकों ने दिखाया है। कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने अदम्य साहस दिखाकर

भारतीय सेना ने पुरे विश्व को एक वीर सेना के रूप में प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों तथा उनके परिवारजनों की अनेक प्रकार की समस्या होती है। सरकार समस्या के निदान हेतु तत्परता से कार्य कर रही है। हमारी सेना में देश भक्ति का जज्बा दिखता है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा वन रैंक वन पेंशन जैसे निर्णय लेकर सैनिकों के मनोबल को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि भारत की सेना गोली के बदले गोला फेंककर दुश्मनों को खत्म करती है। आज दुनिया की कोई भी शक्ति भारत के सामने टिक नहीं सकती। आज भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर की ओर आगे बढ़ा है, हर क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर हैं डिजिटल पेमेंट करके विश्व में पहला स्थान भारत का है। छोटे से छोटे व्यवसाई डिजिटल पेमेंट कर रहे है। आज भारत दुनिया का नेतृत्व करने की ओर आगे बढ़ा है। 2047 में भारत एक विकसित भारत बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के साथ-साथ हमारा राज्य भी अनेक विकास कार्य वीर सैनिकों व उनके आश्रितों के हित में कर रहा है। अनेक विकास कार्य राज्य में हो रहे हैं, सैनिकों के सम्मान हेतु देहरादून में सैन्य धाम का निर्माण हो रहा है। जनपद चंपावत में गंगा कॉरिडोर की तर्ज पर शारदा कॉरिडोर का निर्माण आने वाले समय में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। उसी के अनुरूप राज्य निरंतर प्रगति कर रहा है। राज्य में यूसीसी विधेयक के रूप में लागू होने जा रहा है। राज्य में नकल विरोधी कानून लागू किया गया, आज 18500 सरकारी नौकरी बिना किसी गड़बड़ी के यहां के बेरोजगारों को मिली है।100 से अधिक नकल माफियाओं को जेल में डालने का कार्य सरकार द्वारा किया गया है। राज्य में धर्मांतरण कानून सरकार द्वारा बनाया गया। लैंड जिहाद, लव जिहाद को रोकने का कार्य सरकार द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि थूक जिहाद को किसी भी प्रकार से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा यह राज्य में नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार सैनिकों के हित के प्रति कटिबद्ध है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के बलिदानी सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली 10 लाख रुपए की धनराशि को बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार की दीपावली बहुत विशेष है, क्योंकि 500 वर्षों से हम प्रतीक्षा कर रहे थे कि भगवान राम अपने घर में आए हैं। आज वह अपने घर पर विराजमान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले के समय में हम बड़ी संख्या में विदेश से हथियार खरीदते थे,

मुख्यमंत्री धानी ने सीएम आवास में परिवार संग किए दीप प्रज्ज्वलित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीपावली पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में अपने परिवार के साथ दीप प्रज्ज्वलित किए और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उन्नति की कामना की।

सीएम धामी ने की वीर शहीद केशरीचन्द जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीर शहीद केशरीचन्द जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने शहीद केशरीचंद जी को नमन करते हुए कहा कि भारत माता के सच्चे सपूत, देश की आजादी के नायक, हमारे प्रेरणास्रोत और उत्तराखण्ड के लाल, शहीद केशरीचन्द जी के बलिदान को कभी नही भुलाया जा सकता। बहुत कम उम्र में उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई के लिये स्वयं को न्यौछावर कर दिया और अंग्रेजो द्वारा दी गयी प्रताड़ना को दृढ़ता के साथ सहन किया, परन्तु स्वदेश और मातृभूमि का मान-सम्मान कम न हो, इसके लिये हंसते-हंसते फांसी के फन्दे पर झूल गये। मुख्यमंत्री ने शहीद केशरीचन्द जी के जन्मोत्सव के अवसर पर उनकी स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए शहीद केशरीचन्द स्मारक समिति, ग्राम क्यावा, चकराता और वीर शहीद केसरी चन्द युवा समिति, चुक्खूवाला, देहरादून को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहीद केशरीचन्द जी की स्मृति में जौनसार भाबर क्षेत्र की संभ्रान्त जनता द्वारा आयोजित किया जा रहा यह पावन कार्यक्रम निश्चित ही पूर्ण भव्यता के साथ सम्पन्न होगा और उनकी शहादत और प्रेरणादायी कार्यों को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने का पुनीत कार्य करेगा।

कांग्रेस ने इंदिरा और पटेल को याद किया

देहरादून। कांग्रेस नेताओं ने भी गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी पुण्यतिथि और लौह पुरुष सरदार पटेल को जयंती पर याद किया।

पूर्व विधायक राजकुमार और पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने इस मौके पर कहा कि स्व. इंदिरा गांधी ने अपनी प्रतिभा कौशल से देश को प्रगति के पथ पर ले जाने का काम किया। उनके कार्यकाल को हमेशा याद रखा जाएगा। वहीं, सरदार बल्लभ भाई पटेल की देश की अखंडता और एकता में भूमिका को भी कांग्रेस नेताओं ने इस मौके पर याद किया। इस मौके पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम नीनू सहगल, अर्जुन सोनकर, एहतात खान, जाहिद, सुनील बांगा, वीरेंद्र बिष्ट, अशोक कुमार, जाहंगीर, सुरेश कुमार, शिव कुमार, हिमांशु, सचिन गर्ग, मोहन कुमार, आशु रतूड़ी, राजेश पंवार, विवेक चौहान समेत अन्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन संस्थान में मनाया एकता दिवस

राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर कार्यवाहक निदेशक मनीष वर्मा ने संस्थान के कर्मचारियों को एकता और सत्यता की शपथ दिलाई। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान को याद किया और कहा कि देश की उन्नति में हम सभी को अपनी भूमिका का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। इस मौके पर संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी और प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दून में लौह पुरुष की जयंती पर ली गई एकता और सत्यता की शपथ

देहरादून। सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर दून में विभिन्न संगठनों ने गुरुवार को श्रद्धांजलि देने के साथ ही एकता और सत्यता की शपथ ली। साथ ही सरदार पटेल की देशभक्ति, इमानदारी, नैतिकता और आर्दशों को जीवन अपनाने का संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस पर संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से घंटाघर स्थित पटेल पार्क में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 149 वी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसमें पूर्व सैन्य अधिकारियों, राज्य सरकार के सेवानिवृत अधिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों, राज्य आंदोलनकारी, पर्यावरण प्रेमी समेत विभिन्न संगठनों के सदस्य शामिल हुए। वक्ताओं ने सरदार पटेल के संस्मरण भी इस मौके पर सुनाए। इस मौके पर ठाकुर शेर सिंह, दिनेश कुमार, प्रभास, अमर सिंह धुंता, दीपचंद शर्मा, चंद्रगुप्त मौर्य, शक्ति प्रसाद डिमरी, मधुसूदन शर्मा, जितेंद्र डंडोना, अवधेश शर्मा, दीप सिंह पालीवाल, अवधेश पंत शामिल हुए।

हुनर योजना के अंतर्गत ढकरानी, बुलाकीवाला में फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षण केंद्र शुरू

विकासनगर)।उत्तराखंड अल्पसंख्यक कल्याण और वक्फ विकास निगम देहरादून द्वारा संचालित मुख्यमंत्री हुनर योजना के अंतर्गत बुलाकीवाला और ढकरानी में शुक्रवार को फैशन डिजाइनिंग और ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्रों की शुरुआत हुई।

जामिया इस्लामिया शिक्षा एवं ग्रामीण विकास समिति के अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा अल्पसंख्यक महिलाओं और बालिकाओं के लिए शुरू की गई यह योजना उनके और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगी।

इस योजना के तहत महिलाओं को 90 दिन का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रशिक्षित रोजगार कर सकते हैं। इस दौरान

रिजवान हुसैन, आसिफ अली, फतेह आलिम, शमीम खान, समिति सचिव आसिफ अली, नसीम अहमद, कुलविंदर सिंह, मास्टर ट्रेनर आफरीन, तबस्सुम, नरगिस, जोया, शारूना आदि मौजूद रहे।

नगर निगम ने दीपावली पर चलाया सफाई अभियान

देहरादून। दीपावली पर नगर निगम क्षेत्र में कूड़े की मात्रा बढ़ गई है। निगम ने डोर टू डोर कूड़ा उठाने के लिए अनुबंधित तीनों कंपनियों को सभी निर्धारित रूटों पर सफाई वाहन संचालित करवाने के निर्देश दिए हैं। ताकि सफाई व्यवस्था पर कोई बुरा असर नहीं पड़े। अन्य दिनों में कारगी डंपिंग साइट पर साढ़े चार सौ मीट्रिक टन के आसपास कूड़ा पहुंचता है। लेकिन दीपावली में बाजार क्षेत्र और पटाखों आदि से कूड़े की मात्रा सौ टन के आसपास बढ़ जाती है। उप नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने बताया कि नगर निगम के सौ वार्डों में वाटरग्रेस, इकॉन, सनलाइट समेत तीन कंपनियां डोर टू डोर कूड़ा उठाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि तीनों कंपनियों के प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि शहर के समस्त निर्धारित रूटों पर सफाई वाहनों का संचालन करवाना सुनिश्चित करें।

उत्तरकाशी में गंगा उत्सव पर होंगे भव्य कार्यक्रम

उत्तरकाशी। आगामी 4 नवम्बर को जिला गंगा समिति के तत्वावधान में जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में गंगा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने इस उत्सव के लिए संबंधित विभागों के नोडल अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए तय कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन करने के निर्देश दिए हैं।

मां गंगा के इस उद्गम क्षेत्र उत्तरकाशी में होने वाले गंगा उत्सव कार्यक्रम की जिला प्रशासन एवं जिला गंगा समिति ने रूपरेखा तय कर ली गई है। तय कार्यक्रम के अनुसार जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में 4 नवंबर को पूर्वाह्न 11 से 12 बजे तक जोशियाड़ा झील में जल क्रीड़ा का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 12 बजे से अपराह्न 2 बजे तक राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज में क्विज, निबंध, पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन होगा। अपराह्न 4 से 5 बजे तक मणिकर्णिका घाट पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति होगी। गंगा उत्सव के उपलक्ष्य में सांय 5 से 6 बजे तक गंगा आरती स्थल मणिकर्णिका घाट में दीपोत्सव, गंगा आरती, गंगा भजन एवं गंगा स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के आह्वान पर देश के गंगा तट पर स्थित जिलों में आगामी 4 नवम्बर को आयोजित होने वाले आठवें गंगा उत्सव का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी के संरक्षण को बढ़ावा देना, इसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता को उजागर करना और स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है।

खत पशगांव के दसऊ में मनाई गई नई दीपावली

विकासनगर। वर्तमान में क्षेत्र की जेठी खत कही जाने वाली खत पशगांव के ग्राम दसऊ में विराजमान चालदा महाराज के समक्ष खत के 15 गांवों के हजारों ग्रामीणों ने रविवार को दसऊ पहुंचकर दीवाली का त्योहार मनाया। खत में पिछले साल से महाराज के आगमन पर नई दिवाली मनाई जा रही है। जौनसार में हमेशा से देश के अन्य स्थानों पर दीवाली मनाए जाने के एक माह बाद दीवाली मनाने की परंपरा है, लेकिन यह मान्यता है कि जब क्षेत्र में हमेशा चलायमान रहने वाले चालदा महाराज जिस खत में विराजमान रहते हैं, तो उस समय उस क्षेत्र के बाशिंदे देवादेश पर नई दीवाली मनाते हैं। पिछले साल से चालदा महाराज जौनसार की जेठी खत पशगांव के दसऊ में विराजमान हैं। लिहाजा खत के 15 गांव हाजा, डाडुवा, दुनुवा, मटियाना, सुनौडा, दौधा, गबेला, भूपौउ, कितरोली, दसऊ गमरी, कोटा, मंझगांव, मेलौत, कोटा कवानु, के ग्रामीणों ने नई दीवाली मनाई। गुरुवार शाम को नई दीवाली का जश्न मनाने के लिए इन गांवों से जुड़े और आसपास के क्षेत्र से हजारों लोग दसऊ पहुंचे। हाथों में भीमल की लकड़ी की मशाल "होलियात" लेकर देवता की पूजा-अर्चना कर पारंपरिक नाच गाने के साथ दीवाली का त्योहार मनाया। इस दौरान पूरा गांव देव जयकारों से गूंज उठा। क्षेत्रवासियों ने महाराज के समक्ष अपने देश प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। खत के सदर स्याणा व मन्दिर समिति के अध्यक्ष शूरवीर सिंह चौहान ने बताया कि दो साल से महाराज के समक्ष खतवासियों को दिवाली मनाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विगत एक माह से इसके लिए तैयारियां की जा रही थी।

पीसीएस मुख्य परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाएं

देहरादून। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने उत्तराखंड पीसीएस मुख्य परीक्षा के लिए तय की गई तिथि आगे बढ़ाने की मांग की है। चेतावनी दी कि यदि तिथि आगे नहीं बढ़ाई तो पार्टी कोर्ट की शरण में जाएगी। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवप्रसाद सेमवाल ने कहा कि उत्तराखंड के हिंदी भाषी अभ्यर्थियों के साथ उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने सीधे-सीधे धोखा किया है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी पाठ्यक्रम के 400 नंबर वाले लगभग 27 प्रतिशत पाठ्य सामग्री हिंदी पाठ्यक्रम वाले अभ्यर्थियों को बताई ही नहीं गई है। इसके अलावा पीसीएस मुख्य परीक्षा का 60 प्रतिशत पाठयक्रम नवीन है।

जौनसार का गौरव थे शहीद केसरी चंद

देहरादून। शहीद केसरी चंद के 105 वें जन्मोत्सव पर वीर शहीद केसरी चंद युवा समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को दून स्थित गांधी पार्क में हुए एक कार्यक्रम में अमर शहीद केसरी चंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और शहीद दुर्गा मल्ल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। विकासनगर विधायक मुन्ना सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान समेत अनेक जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। अपने सम्बोधन में विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि बलिदानी अमर शहीद केसरी चंद आज भी युवाओं के आदर्श हैं। वे जौनसार का गौरव हैं। केसरी चंद ने आजाद हिंद फौज में शामिल होकर ब्रिटिश हकूमत को चुनौती दी थी। 03 मई 1945 को महज 24 साल 6 माह की उम्र में अंग्रेजों द्वारा सूली पर लटका दिए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान ने कहा कि शहीद केसरी चंद के स्मृति में चकराता में होने वाले मेले में क्षेत्रवासी बड़े उत्साह से भाग लेते हैं। उससे पता चलता है कि शहीद केसरी चंद युवाओं में आज भी लोकप्रिय हैं। वहीं, दून में शहीद केसरी चंद के जन्मोत्सव पर गांधी पार्क में प्रतिमा माल्यार्पण के साथ ही खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। जिसमें बड़ी संख्या में जौनसार बावर के निवासी उपस्थित रहे।

ये रहे मौजूदः मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामशरण नौटियाल, पूर्व मंत्री नारायण सिंह राणा, प्रताप सिंह रावत, कालसी के ब्लॉक प्रमुख मठौर सिंह चौहान, जौनसार बावर कर्मचारी मंडल के अध्यक्ष रणवीर सिंह तोमर, बॉबी पंवार, तुलसी तोमर, वीरेंद्र सिंह तोमर, जयपाल सिंह चौहान, राजेश तोमर, गीताराम गौड, शहीद केसरी चंद परिवार के विपिन शर्मा, राजेश शर्मा, केसरी चंद युवा समिति अध्यक्ष गंभीर सिंह, महासचिव मातवर सिंह आदि मौजूद रहे।

कौन थे केसरी चंद : जंग-ए-आजादी के वीर सिपाही शहीद केसरी चंद का जन्म 01 नवंबर 1920 को जौनसार बावर के क्यावा गांव में हुआ था। शिक्षा विकासनगर और दून के डीएवी कॉलेज में हुई।

बावर की छह खतों में धूमधाम से मनाया गई होलियात

विकासनगर। जनजातीय क्षेत्र बावर के छह खतों में गुरुवार से पांच दिवसीय दीपावली का जश्न शुरू हो गया है। गुरुवार को छोटी होलियात के बाद शुक्रवार को बड़ी होलियात मनाई गई। होलियात जलाने के बाद बाजगियों ने कान पर हरियाली लगाई। पंचायती आंगनों में महिलाओं और पुरुषों ने हारुल, झेंता और रासो नृत्यों की प्रस्तुति देकर अनूठी लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। हर गांव के पंचायती आंगनों में देर रात तक लोक गीतों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन गूंजती रही। गुरुवार से शुरू हुए पांच दिवसीय दीपावली पर्व पर ग्रामीणों ने देवदर्शन कर पर्व की शुरुआत की। ग्रामीण पंचायती आंगन में सामूहिक रूप से नृत्यों से सबको लुभाते रहे। नृत्य के दौरान सितलू मोडा की हारुल के बाद कैलेऊ मैशेऊ की हारुल गायी गई। सभी गांवों में सुबह चार बजे ग्रामीण हाथों में भीमल की मशालें लेकर नाचते गाते हुए होलियात लेकर बाहर निकले। जहां होलियात जलाकर पर्व का जश्न मनाया गया। हर गांव में ढोल दमाऊं रणसिंघे के साथ पंचायती आंगनों में लोक संस्कृति का दौर चला। जैसे-जैसे रात बढ़ती गई, वैसे-वैसे लोगों पर लोक संस्कृति का रंग चढ़ता रहा। पुरुषों ने पारंपरिक वेशभूषा में जूड़ा नृत्य से सबको लुभाया, वहीं महिलाओं ने लोक नृत्यों से समां बांधा। महासू धाम हनोल, बाशिक देवता मंदिर मैंद्रथ, पवासी महासू देवता मंदिर बलावट, छत्रधारी चालदा महाराज मंदिर दसऊ शेडकूडिया देवता मंदिर रायगी में पहली होलियात देवता के नाम से क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि की कामना की गई। शुक्रवार को मुंधौल, चिल्हाड़, पुरटाड़, किस्तूड़, बाणाधार, डिमीच, खरोड़ा, कुनैन, मशक, कांडोई, भरम आदि गांवों में होलियात की धूम रही।

मधुमक्खियों ने मंदिर में श्रद्धालुओं पर किया हमला, दो गंभीर

विकासनगर। एनफील्ड शिव विहार स्थित बूढ़ा महादेव मंदिर में मधुमक्खी के छत्ते को बाज ने फोड़ दिया। जिसके बाद मधुमक्खियों ने मंदिर में पहुंचे श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले में करीब 40 श्रद्धालुओं घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर है। जिन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। उधर, इस दौरान काफी देर तक वहां अफरा-तफरी का माहौल रहा। जानकारी के मुताबिक बूढ़ा महादेव मंदिर में मधुमक्खियों का छत्ता था। जिस पर सुबह बाज ने चोंच मार दी। जिसके बाद मधुमक्खियां तितर-बितर हो गई। उस दौरान मंदिर में करीब चालीस से 45 लोग मौजूद थे। जिन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिसमें बाद मंदिर में अफरातफरी का माहौल बन गया। लोग मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए इधर से उधर भागने लगे। आसपास के घरों के लोगों ने भी अपने खिड़की दरवाजे बंद कर दिए। मधुमक्खियों के इस हमले में 40 लोग घायल हुए हैं। जिसमें दो लोग गंभीर घायल हो गए। जिन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

धूमधाम से मनाया गया दीपावली का पर्व

रूद्रप्रयाग। दीपावली का पर्व जनपद में धूमधाम से मनाया गया। हालांकि इस वर्ष लक्ष्मी पूजन को लेकर असमंजस्य की स्थिति होने पर लोगों ने दो दिन दीपावली मनाई। मुख्यालय सहित जनपद के सभी स्थानों पर दीपावली हर्षोल्लास से मनाई गई। कहीं भी कोई आगजनी की घटनाएं प्रकाश में नहीं आई है। दीपावली को लेकर इस बार शुरू से लेकर लोगों में असमंजस्य की स्थिति रही।

जिस कारण से सरकार को दो दिन अवकाश घोषित करना पड़ा। हालांकि जनपद में कुछ लोगों ने गुरुवार को दीपावली मनाई जबकि कुछ लोगों द्वारा शुक्रवार को दीपावली मनाई गई। मुख्यालय सहित जनपद के तिलवाड़ा, मयाली, जखोली, अगस्त्यमुनि, भीरी, नगरासू, खांकरा, चोपता, सतेराखाल आदि स्थानों दीपावली धूमधाम से मनाई गई।

प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के गुर सीखे

नई टिहरी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र सीसीआरटी गुवाहाटी में प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका पर कार्यशाला आयोजित की गई। 10 दिवसीय कार्यशाला में देश के 16 राज्यों से 68 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। चंबा ब्लॉक के जीआईसी ठांगधार की अंग्रेजी की प्रवक्ता डॉ. नेहा अग्रवाल सहित एचएस बिष्ट, सोनिया, और नीलम बधानी ने उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व किया। कार्यशाला से लौटकर आईं डॉ. नेहा ने कहा कि प्रशिक्षण में एक भारत श्रेष्ठ भारत की तर्ज पर शिक्षकों को राष्ट्र की विभिन्न सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के बारे में गहन जानकारी दी गई। विशेष रूप से उत्तर पूर्व के राज्यों के नृत्य, संगीत, वेशभूषा, भाषा, रहन-सहन, खान पान और मिलेट्स की जानकारी दी गई। यह सभी चीजें विद्यालयों में जाकर बच्चों में विविधता में एकता, सांस्कृतिक समन्वय, हमारी राष्ट्र की संस्कृति को प्रस्तुत करने में शिक्षकों की सहायता भी करेगा। बताया कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या देवी मंदिर, नवग्रह मंदिर, असम म्यूजियम, इकोलॉजी और जियोलॉजिकल पार्क का भी शैक्षिक भ्रमण भी करवाया गया। कार्यशाला में शिक्षकों ने अपने-अपने राज्य के लोकगीत और लोकनृत्य, संगीत, खानपान, प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित प्रस्तुति भी दी। आयोजक को उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता, लोकगीत, कथाओं, नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुति को खूब सराहना मिली है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com